संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 218
पृष्ठ 8
मंगलवार
28 अप्रैल 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सुंदरता की दुश्मन है सेल्युलाईट..

विचार- राजनीति में क्यों लांघी जा रही...

खेल- वैभव सूर्यवंशी पर पाकिस्तान से...

बंगाल में पीएम मोदी का ममता पर सीधा वार,बोले-

पढ़ाई, लिखवाई और दवाई हमारी प्राथमिकता

बैरकपुर (पश्चिम बंगाल),एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। आज प्रचार का अंतिम दिन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा का प्रचार करने बैरकपुर पहुंचे। पीएम मोदी ने कहा, 1857 में इसी बैरकपुर की धरती ने आजादी की पहली लड़ाई को ताकत दी थी। यही धरती आज बंगाल में परिवर्तन की राह को और प्रशस्त कर रही है। भाजपा के चुनावी नारे और बंगाल में बदलाव की बयार का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने रैली में कहा कि बंगाल में हर ओर एक ही नारा सुनाई दे रहा है पलटनो दरकार, चाई बीजेपी सरकार। यानी जनता बदलाव चाहती है और भाजपा की सरकार बनाने का मन बना चुकी है। रैली को चुनाव प्रचार की अंतिम सभा बताते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पूरे राज्य में

लोगों का मूड देखकर उन्हें विश्वास है कि 4 मई को नतीजे आने के बाद भाजपा की सरकार बनेगी और वह शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने फिर बंगाल आएंगे। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान मिले जनसमर्थन का जिक्र करते हुए कहा कि रैलियों और रोड शो के दौरान लोगों द्वारा दिए गए संदेश, पत्र और चित्र उनके लिए बेहद खास हैं। वह रात में समय निकालकर इन भावनाओं को समझते हैं और लोगों के संदेशों को पढ़ते हैं। अपने लंबे राजनीतिक सफर को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वह पिछले कई दशकों से देशभर में लगातार काम कर रहे हैं और पार्टी द्वारा सौंपी गई हर जिम्मेदारी को निभाते आए हैं। उन्होंने कहा कि जनता ही उनका परिवार है और उनके बीच रहकर उन्हें सुकून मिलता है। पीएम मोदी ने दावा किया कि राज्य में बदलाव की लहर साफ दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि बंगाल की धरती से उनका जुड़ाव बेहद खास है और यहां के अनुभवों को वह अपने जीवन का आशीर्वाद मानते हैं। उनके अनुसार, जिस तरह जनता बड़ी संख्या में सामने आ रही है, उससे स्पष्ट है कि बैरकपुर समेत पूरा बंगाल बदलाव के लिए तैयार खड़ा है। पीएम मोदी ने अपने चुनावी रोड शो और रैलियों को श्तीर्थ यात्राश जैसा अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी और लगातार कार्यक्रमों के बावजूद उन्हें थकान महसूस नहीं हुई, क्योंकि लोगों का उत्साह उन्हें लगातार ऊर्जा देता रहा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम खत्म होने के बाद भी दूर-दूर तक लोगों की भीड़ लगी रहती थी, जिसे देखकर वह फिर से पूरे जोश के साथ उनके बीच पहुंच जाते थे। उन्होंने यह भी कहा कि मां काली के भक्तों के बीच जाने से उन्हें विशेष ऊर्जा मिलती रही।

पश्चिम बंगाल के बैरकपुर में जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य की जनता के लिए पांच अहम गारंटियों का एलान किया। उन्होंने कहा कि ये वादे बंगाल के विकास और युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखकर किए गए हैं। पीएम मोदी की पहली गारंटी के तहत रेहड़ी-पटरी पर काम करने वाले लोगों को बैंक के जरिए आर्थिक सहायता दी जाएगी, ताकि उनका कारोबार मजबूत हो सके। दूसरी गारंटी में उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकारी भर्तियां तय समयसीमा के भीतर और पूरी पारदर्शिता के साथ पूरी की जाएंगी। तीसरी गारंटी में रोजगार मेलों के माध्यम से युवाओं को सीधे नियुक्ति पत्र देने की बात कही गई है। वहीं चौथी गारंटी के तहत राज्य में सातवें वेतन आयोग को तुरंत लागू करने का वादा किया गया। पांचवीं और अहम गारंटी में पीएम मोदी ने कहा कि राज्य से पलायन रोकने के लिए गांवों में 125 दिनों का रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

बंगाल का उत्साह बता रहा, टेरर, माफियाराज व कटमनी की सरकार से मिलेगी मुक्ति: सीएम योगी

कोलकाता,एजेंसी। प. बंगाल के कल्याणी विधानसभा क्षेत्र की सड़कें सोमवार को 'वंदे मातरम, भारत मां, जयश्रीराम, हिंदू सम्राट, बुलडोजर बाबा' के जयकारों से गूंज उठीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यहां भाजपा उम्मीदवार अनुपम विश्वास के लिए चुनावी रथ पर रोड-शो करने निकले तो जैसे जनसमुद्र उमड़ पड़ा। सड़कों पर हजारों युवा एवं बुजुर्ग अपने लोकप्रिय नेता की झलक मोबाइल में कैद करते दिखाई दिए तो छतों पर खड़ीं महिलाएं हाथ जोड़कर 'योगी-योगी' के नारे लगाती दिखीं। बंगाल में 'बुलडोजर बाबा' के नाम से पुकारे जा रहे सीएम योगी ने भी सड़कों पर उमड़े लोगों पर बीच-बीच में पुष्पवर्षा की। सीएम योगी के साथ भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद तेजस्वी सूर्या भी उपस्थित रहे। सीएम योगी के रथ के आगे मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, मां सीता, लक्ष्मण व संकटमोचन हनुमान के वेष

में कलाकार चल रहे थे। आध्यात्मिक धरा पर इस वेशभूषा में कलाकारों को देख हर कोई उनके प्रति श्रद्धा निवेदित करता रहा। वहीं पूरे रोड-शो के मार्ग में भगवा व भाजपा का ध्वज फहराता दिखाई दिया। कल्याणी विधानसभा क्षेत्र में उमड़े जनसैलाब ने एक तरह से सीएम योगी को आश्वस्त किया कि यहां 'भगवान', भगवा व भाजपा के नेतृत्व में आपके विश्वास (भाजपा प्रत्याशी अनुपम विश्वास) की ही जीत होगी। 15 वर्ष से तृणमूल कांग्रेस की अराजकता से परेशान बंगाल के नागरिक सुशासन की आस में योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में जयश्रीराम का उद्घोष करते दिखे। बीच-बीच में 'वंदे मातरम, भारत मां, हिंदू सम्राट, बुलडोजर बाबा' की जयकार से गूंज रहे कल्याणी विधानसभा क्षेत्र के मतदाता सीएम योगी से कह रहे थे कि बुलडोजर को दंगाइयों का काल बनाएं। सीएम योगी ने भी आश्वस्त किया कि 4 मई के बाद बंगाल में माफियाराज समाप्त हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने बंगाल के मतदाताओं से संवाद स्थापित करते हुए रोड शो में उमड़ी भीड़ का अभिनंदन किया।

न्याय मिलने की उम्मीद टूटी -केजरीवाल

नई दिल्ली,एजेंसी। अरविंद केजरीवाल ने अपने पत्र में जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की कोर्ट में अब पेश नहीं होने का जिक्र किया है। केजरीवाल का कहना है उनकी जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा से न्याय मिलने की उम्मीद अब टूट चुकी है। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जस्टिस स्वर्ण कांता शर्माको एक पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि वह अब उनके समक्ष व्यक्तिगत रूप से या वकील के माध्यम से पेश नहीं होंगे। केजरीवाल ने अपने पत्र में न्याय मिलने की उम्मीद टूटने की बात कहते हुए महात्मा गांधी के सत्याग्रह के रास्ते पर चलने का निर्णय लिया है। अरविंद केजरीवाल ने अपने पत्र में लिखा, श्मेरी जस्टिस स्वर्ण कांता जी से न्याय मिलने की उम्मीद टूट गई है। इसलिए मैंने गांधी जी के सत्याग्रह के रास्ते पर चलने का फैसला लिया है। मैंने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनते हुए फैसला किया है। जस्टिस स्वर्ण कांता के फैसले की अपील में सुप्रीम कोर्ट जाने का अधिकार रखूंगा।श दिल्ली हाईकोर्ट ने शराब घोटाला मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जज बदलने की मांग को खारिज कर दिया था। केजरीवाल ने इस मामले की सुनवाई कर रहीं जज स्वर्ण कांता शर्मा पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए मामले को किसी दूसरी पीठ को स्थानांतरित करने की मांग की थी। हालांकि, हाईकोर्ट ने उनकी इस मांग को स्वीकार नहीं किया। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने इस मुद्दे पर टिप्पणी भी की और याचिका को खारिज कर दिया। इस याचिका के खारिज होने के बाद केजरीवाल ने अब जस्टिस स्वर्णकांता की कोर्ट में पेश ही नहीं होने का एलान कर दिया है। अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो में कहा, श्मुझे एक झूठे केस में फंसाया गया और जेल भेज दिया गया। एक चुनी हुई सरकार को गलत तरीके से गिरा दिया गया।

चंद भ्रष्ट लोगों के हाथ में सिमटी आप पार्टी-राघव

नई दिल्ली,एजेंसी। राघव चड्ढा ने भाजपा में शामिल होने के फैसले पर सफाई देते हुए कहा कि आप अब पहले जैसी नहीं रही और वहां काम करने का माहौल विषाक्त हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी में बोलने और काम करने से रोका जाता था तथा कुछ भ्रष्ट लोगों का प्रभाव बढ़ गया था। राजनीति में अपनी नई पारी की शुरुआत करते हुए राघव चड्ढा ने भाजपा में शामिल होने के फैसले पर उठ रहे सवालों का जवाब दिया है। सोमवार को उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो जारी कर अपने निर्णय के पीछे की वजह बताई। राघव चड्ढा ने कहा कि पार्टी बदलने की घोषणा के बाद पिछले तीन दिनों से उन्हें बड़ी संख्या में संदेश मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि कई लोग उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं और बधाई संदेश भेज रहे हैं, जबकि कुछ लोग यह जानना चाहते हैं कि उन्होंने आम आदमी पार्टी छोड़कर यह फैसला क्यों लिया। मैं अपने करियर को बनाने के लिए राजनीति में नहीं आयाउन्होंने कहा कि दोस्तों राजनीति में आने से पहले मैं एक चार्टर्ड अकाउंटेंट था, मेरे सामने एक बेहतरीन करियर था, मैं उस करियर को छोड़कर राजनीति में आया। अपने करियर को बनाने के लिए राजनीति में नहीं आया। और एक राजनीतिक पार्टी का संस्थापक सदस्य बना। अब यह पार्टी पुरानी वाली पार्टी नहीं रह गई है मैंने अपने युवा जीवन के 15 साल दिए, अपने खून, पसीना से बहुत मेहनत से इस पार्टी को सींचा। लेकिन आज ये पार्टी पार्टी वो पुरानी वाली पार्टी नहीं रही। इस पार्टी में आज एक टॉक्सिक कार्य का माहौल है, आपको काम करने से रोका जाता है। संसद में बोलने से रोका जाता है। और आज ये राजनीतिक पार्टी चंद भ्रष्ट और समझौता करने वाले लोगों को हाथ में फंस कर रह गई है। राघव ने बताए अपने तीन विकल्प राघव ने आगे कहा कि पिछले कुछ वर्षों से मैं यह महसूस कर रहा था।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर, 100प्रतिशत भारतीय निर्यात टैक्स-फ्री

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों में सोमवार को एक नए युग की शुरुआत हुई। दोनों देशों ने एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं, जो व्यापार, निवेश और रोजगार के क्षेत्र में व्यापक बदलाव लाने वाला है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के उनके समकक्ष टॉड मैक्ले की उपस्थिति में इस महत्वपूर्ण समझौते को आधिकारिक रूप दिया गया। यह समझौता भारतीय अर्थव्यवस्था और निर्यातकों के लिए वैश्विक बाजार में एक बड़ी कूटनीतिक और आर्थिक जीत मानी जा रही है। इस एफटीए की सबसे खास बात इसकी गति रही है। 16 मार्च, 2025 को शुरू हुई बातचीत को रिकॉर्ड नौ महीनों के भीतर संपन्न कर लिया गया। इस समझौते के लागू होने से भारत को सभी टैरिफ उत्पादों पर तत्काल 100 प्रतिशत शुल्क-मुक्त पहुंच प्राप्त होगी। इसके परिणामस्वरूप, न्यूजीलैंड को होने वाले शत-प्रतिशत भारतीय निर्यात पर अब कोई टैरिफ (सीमा शुल्क) नहीं लगेगा। वर्तमान में न्यूजीलैंड द्वारा भारत से निर्यात किए जाने वाले लगभग 450 उत्पादों पर 10 प्रतिशत का शुल्क लगाया जाता था। नए समझौते के तहत यह शुल्क खत्म हो जाएगा, जिससे भारतीय कपड़ा और परिधान, चमड़ा उद्योग, टोपी, चीनी मिट्टी के बर्तन (सिरेमिक्स), कालीन, और वाहन तथा उनके पुर्जों के निर्यात को भारी बढ़ावा मिलेगा। इसके एवज में, भारत ने भी न्यूजीलैंड से आने वाले 95 प्रतिशत सामानों पर टैरिफ में छूट दी है या उसे कम कर दिया है।

व्यापार सुगमता के साथ-साथ इस एफटीए का एक प्रमुख स्तंभ विदेशी निवेश है। समझौते के तहत, न्यूजीलैंड ने अगले 15 वर्षों में भारत में 20 अरब डॉलर का भारी-भरकम निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। यह निवेश यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) द्वारा भारत के साथ किए गए समझौते में प्रस्तावित 100 अरब डॉलर के निवेश ढांचे की तर्ज पर ही है। वहीं, एक अत्यंत महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम के तहत, भारत ने अपने संवेदनशील घरेलू कृषि और डेयरी सेक्टर को इस एफटीए के दायरे से पूरी तरह बाहर रखा है। दूध, क्रीम, मट्ठा, दही और पनीर जैसे सभी डेयरी उत्पादों के साथ-साथ अन्य कृषि उत्पादों पर आयात छूट नहीं दी गई है, जिससे भारतीय किसानों और स्थानीय डेयरी उद्योग के हितों की रक्षा सुनिश्चित हुई है। छात्रों को राहतरू न्यूजीलैंड ने वैश्विक स्तर पर पहली बार किसी देश के साथ छात्र आवाजाही और अध्ययन के बाद कार्य वीजा (पोस्ट-स्टडी वर्क वीजा) से जुड़े अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। अब भारतीय छात्र पढ़ाई के दौरान प्रति सप्ताह 20 घंटे तक काम कर सकेंगे और उन्हें एक्सटेंडेड पोस्ट-स्टडी वर्क वीजा का लाभ मिलेगा।

इस समझौते के तहत एक विशेष वर्किंग हॉलिडे वीजा कार्यक्रम भी लाया गया है, जिसमें प्रतिवर्ष 1,000 युवा भारतीय 12 महीने के लिए न्यूजीलैंड में मल्टीपल एंट्री कर सकेंगे। भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुआ यह मुक्त व्यापार समझौता दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं के लिए अवसर पैदा करता है।

घरेलू और कमर्शियल एलपीजी पर सरकार ने कहा- हमारे पास पर्याप्त सप्लाई

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम एशिया में इन दिनों भारी तनाव और युद्ध जैसा माहौल है। इस्राइल और अन्य देशों के बीच चल रहे इस बड़े संकट का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। इसी बीच, भारत सरकार ने सोमवार को एक बहुत ही महत्वपूर्ण अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता की। इस वार्ता का मुख्य उद्देश्य देश की जनता को यह बताना था कि बाहर चल रहे इस युद्ध का भारत की जरूरी चीजों पर क्या असर पड़ रहा है। खाद, गैस और तेल के साथ-साथ मंत्रालय ने कई मुद्दों पर जानकारी दी है। सरकार ने साफ कर दिया है कि हमारे पास किसानों के लिए खाद का भरपूर भंडार है, रसोई गैस की कोई किल्लत नहीं है और हमारे जो भी नागरिक या नाविक बाहर फंसे हैं, उन्हें सुरक्षित निकाला जा रहा है। अलग-अलग

मंत्रालयों ने मिलकर काम करते हुए यह पक्का किया है कि देश के अंदर किसी भी जरूरी सामान की सप्लाई चेन न टूटे। अफवाहों और डर के कारण कुछ लोग जरूरत से ज्यादा सामान खरीद रहे हैं, जिस पर सरकार ने रोक लगाने और सख्त कार्रवाई करने की बात कही है। उर्वरक विभाग की अतिरिक्त सचिव अपर्णा एस. शर्मा ने बताया कि देश में खाद यानी फर्टिलाइजर का भंडार बहुत मजबूत है। खरीफ की फसल के लिए जितनी खाद चाहिए, उससे कहीं ज्यादा हमारे गोदामों में भरी हुई है। उदाहरण के लिए, जहां 18.17 लाख मीट्रिक टन यूरिया की जरूरत थी, वहीं हमारे पास 71.58 लाख मीट्रिक टन मौजूद है। इसी तरह डीएपी खाद भी जरूरत से कई गुना ज्यादा है।

गजल फारसी, अरबी की मोहताज नहीं : रविनन्दन सिंह

लोकरंजन प्रकाशन एवं शहर समता के तत्वावधान में 'और मैं जिन्दा रही' का लोकार्पण, कवि सम्मेलन में बही कवियों की काव्य रसधार

प्रयागराज। गजल फारसी, अरबी की मोहताज नहीं है, वरन् हिन्दी में भी लिखी जाती है। यह बहुत दूर तक जाती है। गजल एक प्रकार का बर्तन है। गजल एक क्राफ्ट है। गजल के लिए बहर के अलावा गुनगुना कर गाने पर मीटर स्वतः बन जाता है। उन्होंने कई गजलों को उधृत किया। उन्होंने पुराने गजलकारों का उदाहरण भी दिया। गालिब तक ने अपना पैटर्न बदला और सरल शब्दावली का प्रयोग किया। यह आम लोगों से जुड़ती है। ये उद्गार अपने अध्यक्षीय संबोधन में रविनन्दन ने कहा। इसके पूर्व आज हिन्दुस्तानी अकादमी के गांधी सभागार में रचना सक्सेना की पाँचवी पुस्तक श्और मैं जिंदा रहीश का लोकार्पण रविनंन्दन सिंह की अध्यक्षता में हुआ। इसके पूर्व अतिथियों ने अध्यक्ष रविनन्दन सिंह, मुख्य अतिथि डाक्टर रवि मिश्र, विशिष्ट अतिथि डाक्टर सरोज सिंह, डाक्टर अमिता पांडेय, ज्योतिर्मय श्रीवास्तव माँ वाणी को पुष्पार्पण करके दीप प्रज्ज्वलित किया। इस अवसर

पर सरिता मिश्रा और राजेश सिंह राज ने सरस्वती वंदना ने प्रस्तुत किया।

लोकरंजन प्रकाशन एवं शहर समता के तत्वावधान में प्रकाशित हुई इस पुस्तक श्और मैं जिन्दा रहीश का लोकार्पण हुआ। प्रोफेसर रवि मिश्र ने कहा कि इसका भाव पक्ष और शिल्प पक्ष खूब बन पड़ा है। इसमें संतुलन है। इसमें लगभग सभी विषयों को लिया गया है।

इस अवसर पर प्रकाशक द्वय रंजन पांडेय और डाक्टर आदित्य सिंह ने पुस्तक पर अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर रचनाकार रचना सक्सेना ने पुस्तक की समीक्षा में अपने लिए किए सहयोगियों का आभार दिया और शीर्षक पर आधारित गजल सुनाई। ज्योतिर्मय श्रीवास्तव ने पुस्तक की गहराई पर प्रकाश डाला और गजल के इतिहास से इसे जोड़ा। संजय सक्सेना ने कहा कि पुरुष प्रधान समाज ने महिलाओं को उचित स्थान नहीं दिया। इसके लिए संघर्ष करना पड़ा, जो रचना जी ने किया। प्रोफेसर अमिता पांडेय ने संस्कार पर जोर दिया। प्रोफेसर डाक्टर सरोज सिंह ने कहा कि मध्यवर्गीय महिला का हर झंझावातों से इस तरह की रचना उन्हें पूर्ण करता है। 101 गजलों के बीच स्त्री के दायित्व बोध को पूर्ण किया।

इस अवसर पर काव्य गोष्ठी के दूसरे सत्र में डाक्टर शम्भुनाथ त्रिपाठी अंशुल, डाक्टर भगवान प्रसाद उपाध्याय, पं. राकेश मालवीय मुस्कान, रचना सक्सेना, सयोजक संजय

सक्सेना, प्रीता वाजपेई, मीरा सिन्हा, अभिषेक केसरवानी रवि, शिवराम मिश्र मुकुल मतवाला, मुक्तक सम्राट रामकैलाश पाल प्रयागी, डॉक्टर इंदु प्रकाश मिश्र जमदाग्निपुरी, के पी गिरि, विभा जी, सुनील दानिश, शाम्भवी द्विवेदी, अजय वर्मा साथी, एस पी श्रीवास्तव, संगीता श्रीवास्तव, मंजू लता नागेश, मोहिनी, सुधांश शुक्ला, अनिल मानव, चन्द्रप्रकाश श्रीवास्तव, मंजू लता नागेश, मुक्तक सम्राट राम कैलाश पाल, प्रयागी, प्रेमा राय, विजय लक्ष्मी विभाश, मधु, शाहिन खुश्बू, धीरेन्द्र सिंह नागाश, पीयूष मिश्र, केसब सक्सेना, रामकुमार कुशवाहा, डा. पुष्कर प्रधान, प्रभंजन त्रिपाठी, देवेन्द्र कुमार शुक्ल, ऋतु पाण्डेय त्रिधा, उर्वशी उपाध्याय, मनमोहन तन्हा आदि ने अपना काव्य पाठ किया। शहर समता के संपादक उमेश श्रीवास्तव ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया। द्वितीय सत्र का संचालन मनमोहन तन्हा ने बड़ी शिद्दत से किया।

संघर्ष से सफलता तकः आत्मनिर्भरता की मिसाल बनीं फूलपति देवी

प्रयागराज। सीमित संसाधनों और सामाजिक बंदिशों के बीच संघर्ष करते हुए फूलपति देवी ने आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है। कभी आर्थिक तंगी से जूझने वाली बहादुरपुर की फूलपति न सिर्फ अपने परिवार का सहारा बनीं बल्कि गांव की कई महिलाओं को रोजगार का हुनर भी सिखा रही हैं। फूलपति देवी ने स्वयं सहायता समूह से जुड़ अपने जीवन की नई शुरुआत की। पहले सिलाई का काम सीखा और फिर अपने इस हुनर को आय का साधन बना लिया। उनके इस प्रयास से परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आया। साथ ही घर की जिम्मेदारियों को संभालना आसान हुआ। अब फूलपति देवी अपने गांव में 18 अन्य महिलाओं को सिलाई का प्रशिक्षण दे रही हैं। वहीं उनके मार्गदर्शन में कई महिलाएं आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। उनका कहना है कि यदि महिलाओं को सही अवसर और मार्गदर्शन मिले तो वे किसी भी मुश्किल को पार कर सकती हैं। उनका सपना है कि गांव की हर महिला आत्मनिर्भर बने

गर्म तवे सी दहकी धरती... लपटों की तरह लगी हवा

प्रयागराज। भीषण गर्मी ने लोगों के दिन का चौन छीन लिया है और रात की नींद भी हराम कर दी है। गर्म हवा के थपेड़ों की वजह से लोग घर से निकलने से कतरा रहे हैं। रविवार को लगातार दूसरे दिन प्रयागराज, बांदा के बाद प्रदेश में दूसरा सबसे गर्म जिला रहा। अधिकतम तापमान 45.7 और न्यूनतम 26.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। 24 घंटे में न्यूनतम तापमान 2.7 डिग्री सेल्सियस बढ़ा है। इस वर्ष गर्मी का प्रचंड रूप देखने को मिल रहा है। पिछले नौ दिन से लू लोगों का कड़ा इम्तिहान ले रही है। सुबह सात बजे के बाद से ही टंकी का पानी खौलने लगता है। घर की छत तपने लगती है। वहीं, सुबह 10 बजे के बाद सड़कें गर्म तवे की तरह धधकने लगती हैं। दोपहर 12 से शाम चार बजे तक ऐसा लगता है जैसे आसमान से आग बरस रही हो। रोंगटे खड़े कर देने वालीं गर्म हवाएं लोगों को छांव ढूंढ़ने पर मजबूर कर देती हैं। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. शैलेष राय का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के चलते सोमवार के बाद गर्मी से थोड़ी राहत मिलने के आसार हैं।

टेनिस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

प्रयागराज। टेनिस डेवलपमेंट वेलफेयर सोसाइटी की ओर से आजाद पार्क स्थित इलाहाबाद जिमखाना टेनिस अकादमी में रविवार को दो दिवसीय इंटर क्लब रैंकिंग टेनिस शुरू हुई। प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए विधायक डॉ. वाचस्पति ने खेलों

में अनुशासन और समर्पण के महत्व पर जोर दिया। रविवार को विभिन्न स्कूलों और क्लबों के 60 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। विभिन्न आयु वर्गों के फाइनल में जगह बनाने वाले खिलाड़ियों में हिरल सिंह, अवीका सचदेवा, प्रजीत सिंह, अथर्व सिंह, श्रेयश श्रीवास्तव, हमदान हबीब, प्रकृति सिंह, गर्वी सिंह, कियान महेश्वरी, शाश्वत, नीलोत्पाल सिंह, रोनिन चौधरी, सैयद इब्राहिम, मोहम्मद इब्राहिम, वर्णिका मिश्रा और अद्वैता सिन्हा शामिल रहे। आयोजन सचिव सैफ इकबाल ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य उभरते खिलाड़ियों को मंच प्रदान करना और टेनिस के प्रति युवाओं में रुचि बढ़ाना है।

भानु प्रताप स्पोर्ट्स क्लब को 21 रन से मिली जीत

प्रयागराज। भानु प्रताप स्पोर्ट्स क्लब ने सीएवी क्लब को 21 रन से हराकर सेंट पीटर्स का कलर ड्रेस वनडे क्रिकेट प्रतियोगिता में पूरे अंक प्राप्त किए। ईश्वर शरण इंटर कॉलेज मैदान पर रविवार को भानु प्रताप स्पोर्ट्स क्लब ने 45 ओवर में 234 रन

(समर्थ पांडेय 92, विपुल द्विवेदी 42, हर्ष पटेल 4/45) बनाए। जवाब में सीएवी क्लब की टीम ने 41.3 ओवर में 213 रन (युवराज 67, तेजस गुप्ता 41, शिवा मिश्रा 27, सूरज कुमार 3/26, विपुल द्विवेदी 2/25, शिवांग पांडेय 2/59) पर सिमट गई। विपुल द्विवेदी मैन ऑफ द मैच बने।

होटल में मृत मिले दवा कंपनी के डिप्टी डायरेक्टर

प्रयागराज। सिविल लाइंस के एक होटल में दवा कंपनी के डिप्टी डायरेक्टर सैबाल मुखर्जी संदिग्ध हालात में मृत पाए गए। वह हाईकोर्ट में मुकदमे की पैरवी के लिए प्रयागराज आए थे। सिविल लाइंस पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मूलरूप से पश्चिम बंगाल के जाधवपुर साउथ के रहने वाले सैबाल एक नामचीन दवा कंपनी के डिप्टी डायरेक्टर थे। वह मुकदमे की पैरवी करने के लिए प्रयागराज आए थे। शुक्रवार से सिविल लाइंस स्थित एक होटल में ठहरे थे। रविवार को होटल से जाने के लिए कैब बुक कराई थी। चालक ने होटल पहुंचने पर उन्हें कॉल किया लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई।

हाईकोर्ट ने कहा– शपथपत्र दाखिल कर बताएं 1996 में मृत व्यक्ति ने कैसे किया अतिक्रमण, नोटिस पर सवाल

प्रयागराज। अदालत ने प्रथम दृष्टया नोटिस जारी करने की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए मामले में अगली सुनवाई तक यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक अहम मामले में तेल कंपनी को निर्देश दिया है कि वह शपथपत्र दाखिल कर यह स्पष्ट करे कि वर्ष 1996 में मृत व्यक्ति ने कैसे अतिक्रमण किया है। अदालत ने प्रथम दृष्टया नोटिस जारी करने की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए मामले में अगली सुनवाई तक यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है।

प्रयागराज निवासी याचिकाकर्ता महेंद्र कुमार ने 16 अगस्त 2025 और 15 अक्तूबर 2025 को जारी किए गए नोटिस को चुनौती दी है। याची अधिवक्ता ने दलील दी कि संबंधित अधिकारियों की ओर से जारी किए गए नोटिस बिना किसी तथ्यात्मक सत्यापन के भेजे गए थे। नोटिस याचिकाकर्ता के पिता के नाम पर जारी किए गए, जबकि उनके पिता का निधन 11 अक्तूबर 1996 को ही हो गया था। ऐसे में मृत व्यक्ति के नाम पर अतिक्रमण का आरोप लगाना और नोटिस जारी करना प्रशासनिक लापरवाही दर्शाता है। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार और संबंधित तेल कंपनी की ओर से अधिवक्ताओं ने दलील दी कि पाइपलाइन के ऊपर अतिक्रमण किए जाने की जानकारी मिलने के बाद नोटिस जारी किए गए थे।

इस पर अदालत ने पूछा कि जब संबंधित व्यक्ति का निधन वर्ष 1996 में हो चुका है तो यह कैसे माना गया कि उसी व्यक्ति ने अतिक्रमण किया है।

खंडपीठ ने तेल कंपनी को निर्देश दिया कि वह शपथपत्र दाखिल कर यह स्पष्ट करे कि कथित अतिक्रमण का पता कैसे चला और किन आधारों पर मृत व्यक्ति का नाम नोटिस में दर्ज किया गया।

अदालत ने यह भी कहा कि शपथपत्र में यह स्पष्ट रूप से बताया जाए कि जांच या सत्यापन की प्रक्रिया किस प्रकार अपनाई गई। अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 12 मई की तिथि तय की है।

गर्मी का कहरः अस्पतालों में बढ़ी त्वचा और पेट के रोगियों की कतारें, शुगर के मरीज रहें सावधान

प्रयागराज। बढ़ती गर्मी में पानी की कमी डायबिटीज के मरीजों के लिए हानिकारक हो सकती है। ऐसे में पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बेहद जरूरी है। इसके अलावा पसीने के कारण खुजली व घमौरी की समस्या देखने को मिल रही है। वहीं दूषित भोजन के कारण होने वाले दस्त ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है।

बढ़ती गर्मी के साथ शहर के सरकारी अस्पतालों में रोजाना त्वचा रोग, अनियंत्रित शुगर व दस्त के करीब 35 फीसदी मरीज देखने को मिल रहे हैं। छावनी सामान्य अस्पताल में इस हफ्ते करीब 65 मरीजों का शुगर लेवल 450 के ऊपर पाया गया। इनमें अधिकांश मरीजों को कम पानी पीने की आदत थी।

वहीं स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय में पिछले 10 दिनों में लगभग 150 मरीज त्वचा संबंधित बीमारी से पीड़ित मिले। इसके अलावा तेज बहादुर सप्रू व मोती लाल नेहरू मंडलीय चिकित्सालय में गर्मी शुरू होने के बाद से रोजाना ओपीडी में लगभग 15 मरीज लूज मोशन के आ रहे हैं। इनमें से 90 फीसदी मरीज विद्यार्थी हैं।

ऐसे रहें हाइड्रेट

1. दिनभर पर्याप्त पानी पिएं।
2. खीरा, तरबूज, खरबूजा और टमाटर जैसे पानी से भरपूर फलों व सब्जियों का सेवन बढ़ाएं।
3. छाछ, लस्सी, नारियल पानी, और नींबू पानी का सेवन करें।
4. शराब, अधिक चाय और कॉफी के सेवन से बचें।
5. हल्के व लाइट कलर के कपड़े पहनें।
6. बाहर का खाना खाने से बचें।

गर्मी में पानी की कमी के वजह से डायबिटीज के मरीजों में अनियंत्रित शुगर लेवल देखने को मिल रहा है। ऐसे में पूरे दिन थोड़ी–थोड़ी देर में पानी पीना जरूरी है। –डॉ. एसके पांडेय, निदेशक, छावनी सामान्य अस्पताल

बाहर का व बासी खाने का सेवन करने से बचें। हल्का खाना थोड़ी–थोड़ी देर में खाएं और खूब पानी पीएं। – डॉ. मंसूर अहमद, बेली अस्पताल

शरीर में लगातार पसीना आने से त्वचा हमेशा गीली रहती है, जिससे लालिमा, जलन, खुजली और संक्रमण हो सकता है। इसके अलावा फंगल संक्रमण जैसे दाद, बैक्टीरियल इन्फेक्शन जैसे एरिथ्रास्मा, घमौरियां, एक्जिमा और एलर्जी हो सकती है। ऐसे में हल्के कपड़े पहनें और आवश्यकता पड़ने पर तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। – डॉ. अमित शेखर, विभागाध्यक्ष, त्वचा रोग विभाग, मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज

तर्कशक्ति के सवालों ने कम उलझाया दिमाग

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश होमगार्ड भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन सीधे और सरल सवालों से अभ्यर्थी खुश नजर आए। तर्कशक्ति के प्रश्न बहुत उलझाने वाले नहीं थे। एसएचओ का पूर्ण रूप क्या है... जैसे प्रश्नों ने अभ्यर्थियों के चेहरे पर मुस्कान ला दी। इससे परीक्षार्थियों को पेपर हल करने में सहूलियत मिली और आत्मविश्वास भी बढ़ा। रविवार को दोनों पालियों में कड़ी सुरक्षा के बीच नकलविहीन और शांतिपूर्ण ढंग से परीक्षा कराई गई। केंद्रों से बाहर निकले अभ्यर्थियों ने बताया कि प्रश्नपत्र का स्तर आसान रहा। सामान्य ज्ञान के साथ हिंदी, गणित और तर्कशक्ति के प्रश्न सरल और सीधे पूछे गए। कई अभ्यर्थियों ने बताया कि ऐसे प्रश्नों से उन्हें समय प्रबंधन में भी आसानी हुई। अधिकारियों ने बताया कि कहीं से भी किसी तरह की गड़बड़ी की सूचना नहीं मिली।

दूसरे दिन 6324 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ी

रविवार को दोनों पालियों में 28,032 अभ्यर्थियों में से 21,708 ने परीक्षा दी। 6324 अनुपस्थित रहे। पहली पाली में 14,016 में से 10,879 और दूसरी पाली में 14,016 में से 10,829 अभ्यर्थी शामिल हुए।

पूछे गए इस तरह के सवाल

दृचिल्का झील भारत के किस राज्य स्थित है?

– इंस्टाग्राम पर किस तरह की पोस्ट में कई फोटो या वीडियो हो सकते हैं जिन्हें उपयोगकर्ता एक ही पोस्ट में स्वाइप करके देख सकते हैं?

– वर्ष 2020 में नोबेल शांति पुरस्कार निम्नलिखित में से किसको मिला?

– उत्तर प्रदेश के किस जिले में अवध महोत्सव मनाया जाता है?

– चारमीनार किस शहर में स्थित है?

अभ्यर्थियों से बातचीत (फोटो है।)

पेपर काफी आसान था। सामान्य ज्ञान में सीधे सवाल पूछे गए। इससे समय बच गया और पूरा पेपर आराम से हल कर लिया। – प्रदीप, कौशाम्बी

चारमीनार जैसे सवाल देखकर आत्मविश्वास बढ़ गया। इससे लगा कि पेपर ज्यादा कठिन होगा। – अनिल कुमार यादव, वाराणसी

गणित और रीजनिंग भी ज्यादा कठिन नहीं थे। तैयारी करने वालों के लिए यह पेपर अच्छा रहा। – शिवम गुप्ता, फतेहपुर

पेपर का स्तर ठीक था। पिछले सालों की तुलना में थोड़ा आसान लगा, जिससे घबराहट कम रही। – मुकेश यादव, प्रतापगढ़

भयंकर गर्मी में पेयजल संकट से जूझते अल्लापुर वार्ड नं–69 के निवासी

प्रयागराज। अल्लापुर वार्ड नं–69 स्थित रामानंद नगर और संजय नगर में चंद्रशेखर विद्यालय के पास पिछले छह दिनों से जलापूर्ति पूरी तरह ठप है। भीषण गर्मी के बीच पानी न मिलने से स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसमें सुबह स्कूल जाने वाले बच्चों से लेकर दफ्तर जाने वाले तक सभी की दिनचर्या प्रभावित हो गई है। क्षेत्रवासियों ने बताया कि कई घरों में हालात ऐसे हैं कि आसपास के बोरवेल वाले घरों से पानी लाना पड़ रहा है वहीं पीने के लिए बोतलबंद पानी खरीदना मजबूरी बन गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार इस समस्या को लेकर जल विभाग में कई बार शिकायत की जा चुकी है लेकिन कोई समाधान नहीं किया गया। इससे लोगों में विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। हर साल गर्मी में यह समस्या होती है, जिससे लोगों का जीवन अस्त–व्यस्त हो जाता है। हम लोग जिनके घर में बोरवेल है, वहीं से पानी लेते हैं। – अशोक दुबे, स्थानीय निवासी

ईश्वर शरण और चौधरी नौनिहाल क्लब को पूरे अंक

प्रयागराज। ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज और चौधरी नौनिहाल सिंह क्लब ने अपने–अपने मुकाबले जीतकर कर्नल एमआर शेरवानी डिवीजन क्रिकेट लीग में पूरे अंक प्राप्त किए। दिल्ली पब्लिक स्कूल मैदान पर रविवार को आशीष नेहरा क्लब ने 38 ओवर में 162 रन (अंकित यादव 40, अजीत कुमार 34, रोहित राजपाल 4/32, अर्जित सिंह 3/26, आदर्श मिश्रा 2/36) बनाए। जवाब में ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज ने 30.3 ओवर में

पांच विकेट पर 164 रन (शिवांश पांडेय 52 नाबाद, अर्पित 38, करण यादव 2/33, अर्जुन पंकज दुबे 2/47) बना लिए। मैच में अंपायर अरुण कुमार व विपिन यादव और अनूप कुमार शर्मा स्कोरर रहे। उधर, केपी कॉलेज मैदान पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस क्लब ने 40 ओवर में आठ विकेट पर 222 रन (सुहैब खान 38, अनुवेंद्र यादव 36, अनुराग कुमार 34 नाबाद, कृष्णा साहू 26, विराज जायसवाल 2/31, अंशुमान पांडेय 2/39, मयंक दुबे 2/43) बनाए। जवाब में चौधरी नौनिहाल सिंह क्लब ने 31.5 ओवर में चार विकेट पर 223 रन (संदीप यादव 62, अंशुमान पांडेय 57 नाबाद, शिवम सिंह यादव 50, आशीष रत्नम 35) बना लिए। मैच में अजय कुमार व तौसीफ शेख अंपायर और अंकित पांडेय स्कोरर रहे।

शिवानी मिश्रा को मिला अंतरयात्रा व डॉ. ए खान स्मृति सम्मान

प्रयागराज। घूरपुर स्थित एक पैरामेडिकल कॉलेज में आयोजित अंतरयात्रा व डॉ. ए खान स्मृति सम्मान समारोह के 14वें संस्करण में शहर की प्रसिद्ध कोरियोग्राफर शिवानी मिश्रा को नृत्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

यह सम्मान इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति जेजे मुनीर ने उन्हें प्रदान किया। प्रयागराज निवासी शिवानी मिश्रा ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से नृत्य की शिक्षा प्राप्त की है। वर्तमान में वह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नृत्य व कोरियोग्राफी के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उनकी कला, समर्पण और निरंतर उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए उन्हें इस प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया। समारोह में इलाहाबाद के प्रसिद्ध कलाकार ईशान मिश्रा ने अपने रुद्राक्ष बैंड के साथ सूफी गायन प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. एमआई खान और लोकसंस्कृति विकास संस्थान के डायरेक्टर शरद मिश्रा मौजूद रहे।

रघु राय का प्रयागराज और कुंभ से रहा आत्मीय रिश्ता

प्रयागराज। देश के प्रख्यात फोटोग्राफर पद्मश्री रघु राय का शनिवार को 83 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार रविवार को दिल्ली के लोधी रोड पर किया गया। उनके निधन से फोटोग्राफी और मीडिया जगत में शोक की लहर है। रघु राय का इलाहाबाद (अब प्रयागराज) से गहरा और आत्मीय जुड़ाव रहा। उन्होंने अपने कैमरे के जरिये कुंभ मेले की आस्था और सांस्कृतिक विविधता को देश–दुनिया तक पहुंचाया।

फोटोग्राफर कमल किशोर कमल बताते हैं कि उनकी रघु राय से पहली मुलाकात 1989 में प्रगति मैदान के पुस्तक मेले में हुई थी। उस समय वह उनकी किताब इंदिरा गांधी को ध्यान से देख रहे थे, लेकिन खरीदने में असमर्थ थे। यह देखकर रघु राय ने खुद किताब लेकर उस पर अपने हस्ताक्षर के साथ उन्हें भेंट कर दी। यहीं से गुरु–शिष्य का रिश्ता शुरू हुआ।

उन्होंने बताया की रघु राय हमेशा अपने शिष्यों को प्रोत्साहित करते थे। जब भी वे इलाहाबाद या आसपास आते पहले से सूचना देकर पूरा समय साथ बिताते थे। वर्ष 2001 के कुंभ में उनकी बनाई गई डॉक्यूमेंट्री का उद्घाटन मीडिया सेंटर में किया गया था। इसके अलावा कई कुंभ मेलों को साथ मिलकर कवर किया। रघु राय का व्यवहार बेहद आत्मीय था। उनके साथ बिताए गए पलों को कैमरे में कैद करने का अवसर भी मिला जो अमूल्य धरोहर बन चुके हैं। 2019 में उनके जीवन पर आधारित एक विशेष फोटो कलेक्शन तैयार किया गया। इसमें कमल की खींची गईं तस्वीरों की संख्या सबसे अधिक है। 1942 में पंजाब के झंग (अब पाकिस्तान) में जन्मे रघु राय ने 1965 में द स्टेट्समैन से फोटो पत्रकार के रूप में अपने कॅरिअर की शुरुआत की थी। इसके बाद 1982 में इंडिया टुडे से जुड़े और वहां करीब दस वर्षों तक फोटो संपादक के रूप में कार्य किया। उनकी प्रमुख कृतियों में रघु रायज दिल्ली, द सिख्स, कलकत्ता, ताजमहल, खजुराहो और मदर टेरेसा जैसी चर्चित पुस्तकें शामिल हैं, जिनमें भारत की विविधता और संवेदनाओं को सजीव रूप में प्रस्तुत किया गया है।

सड़क हादसे में हैंडलूम शोरूम के मैनेजर की मौत

प्रयागराज। झूंसी क्षेत्र में शनिवार रात सड़क हादसे में हैंडलूम शोरूम के मैनेजर सुरेंद्र कुमार यादव (50) की मौत हो गई। सड़क पार करते समय तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी थी। सुरेंद्र अपने माता–पिता के इकलौते बेटे थे। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मूलरूप से चंदौली जिले के धानापुर थाना क्षेत्र स्थित मड़ई गांव निवासी सुरेंद्र कुमार यादव झूंसी में पत्नी शकुंतला देवी, बेटे अंकुश (14) और बेटी खुशी (12) के साथ रहते थे। वह डीटी हैंडलूम शोरूम में मैनेजर थे।

प्रयागराज में पत्रकारों को मिला नया प्रवक्ता, विद्या कांत मिश्र नियुक्त

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश पत्रकार कल्याण परिषद द्वारा वरिष्ठ पत्रकार श्री विद्या कांत मिश्र को बड़ी जिम्मेदारी सौंपते हुए उन्हें प्रयागराज का जिला प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। परिषद की कोर कमेटी की संस्तुति के उपरांत यह नियुक्ति पत्र जारी किया गया, जिसकी जानकारी मिलते ही पत्रकारों एवं उनके शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई। नियुक्ति पत्र में परिषद ने विश्वास जताया है कि श्री मिश्र अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए पत्रकार साथियों के हित, सुरक्षा और सम्मान के लिए सदैव अग्रणी प्रवक्ता के रूप में भूमिका निभाएंगे। उनके नेतृत्व में संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

गौरतलब है कि विद्या कांत मिश्र हिदुस्थान समाचार एजेंसी में मान्यता प्राप्त पत्रकार के रूप में पिछले कई दशकों से पत्रकारिता

के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वे अपनी सशक्त लेखनी के माध्यम से समाज में व्याप्त कुरीतियों और समस्याओं को उजागर करते रहे हैं। इतना ही नहीं, वे इन समस्याओं के समाधान के लिए भी निरंतर प्रयासरत रहते हैं, जिससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। विद्याकांत मिश्र के जिला प्रवक्ता मनोनीत होने पर जिलाध्यक्ष दिनेश तिवारी,प्रदेश उपाध्यक्ष अरुण सोनकर एवं सचिव बलराम शुक्ला ने माल्यार्पण कर उनका भव्य स्वागत किया। विद्याकांत मिश्र ने पत्रकार हित में कार्य करने की रूपरेखा पर उन्होंने स्पष्ट कहा कि हमारे लिए कोई पत्रकार छोटा या बड़ा नहीं, बल्कि हर व्यक्ति सिर्फ पत्रकार है। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष अरुण कुमार सोनकर, सचिव बलराम शुक्ला,अध्यक्ष व पत्रकार दिनेश तिवारी,वरिष्ठ पत्रकार दिनेश मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप गुप्ता, परवेज अहमद, अधिवक्ता तरवेज, वरिष्ठ पत्रकार काशी केसरवानी सहित दर्जनों पत्रकार साथी उपस्थित रहे, जिन्होंने नवनियुक्त जिला प्रवक्ता को शुभकामनाएं दीं और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प दोहराया।

जन्मदिन की हार्दिक बधाई

प्रयागराज। चौक मंडल अल्पसंख्यक मोर्चा के मंडल अध्यक्ष

हरीश अरोड़ा मोनू मा के जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई उनके दीर्घायु की कामना करते हैं चौक मंडल अध्यक्ष सुमित वैश्य विश्वाश श्रीवास्तव अवधेश श्रीवास्तव रोशनी अग्रवाल विजय कुशवाहा दिलीप काके विजय गुप्ता सौरभ केसरवानी उपस्थित रहे।

भोलानाथ को निर्वशी घोषित करने वाले सचिव पर अफसर मेहरबान

चार महीने पहले खुली गई थी ग्राम विकास अधिकारी की पोल

प्रयागराज। 18 जन का कुटुंब वाले भोलानाथ को निर्वशी घोषित करने वाले ग्राम विकास अधिकारी रामलाल यादव पर अफसर मेहरबान है यहि वजह है कि चार महिने पहले सचिव के भष्ट्राचार का कारनामा सामने आ गया था लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नही किया गया केवल प्रतिकूल प्रविष्टि देकर काम चलाया जा रहा है जबकि पीडित परिवार के सदस्य प्रमिला देवी पत्नी घनश्याम तिवारी के पुत्र अभिषेक तिवारी ध्दारा निलंबन एवं विभागीय जांच की मांग कि जा रही है

धनुपूर ब्लाक के हरीपुर ऊर्फ मिश्रपुर गांव निवासी भोलानाथ तिवारी को पीएम आवास की स्वीकृति हुई थी योजना का लाभ मिलने से पहले वर्ष 2015 मे उनकी मृत्यु हो गई! परिवार मे तीन बेटे समेत करीब 18 लोग थे फिर भी वर्ष 2018 मे तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी (रामलाल यादव) ने रिपोर्ट लगा दी थी कि भोलानाथ कोई वारिस न है जिससे पात्र परिवार को योजना का लाभ न मिल सका! भोलानाथ के पोते अभिषेक तिवारी ने बताया कि इस मामले को लेकर छः वर्ष तक दौड़ना पडा ! पिछले 19 नवंबर को डीएम से शिकायत के बाद, सीडीओ , डीपीआरओ,ने बीडीओ धनुपूर, एडीओ पंचायत धनुपूर से जांच कराए जिसमे ग्राम विकास अधिकारी की गड़बड़ी सामने आ गई थी 18 दिसंबर एवं 28 जनवरी को बीडीओ ने जांच रिपोर्ट भी दे दी थी लेकिन तब से संबंधित अधिकारी कार्रवाई करने के बजाय उसे दबाये बैठे है

अभिषेक तिवारी का कहना है कि अफसर इतने मेहरबान है कि जांच रिपोर्ट मिलने के बाद एवं कई बार डीएम से शिकायत कि लेकिन हर बार झूठा आश्वासन मिल रहा है उधर प्रशासन के दबाव मे सचिव को प्रतिकूल प्रविष्टि देकर गम्भीर मामले को समाप्त करना चाहते है! जबकि अभिषेक का कहना है वह माननीय न्यायालय मे अर्जी दाखिल कर संबंधित कर्मचारी को निलंबन एवं विभागीय जांच की मांग करेगा !!

डीसीएम की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, दोस्त गंभीर

लखनऊ (संवाददाता)। इटौंजा थाना क्षेत्र में सोमवार को इटौंजा–कुर्सी मार्ग स्थित बड़ी नहर के पास एक तेज रफ्तार डीसीएम ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान शिवरी निवासी प्रशांत (26) के रूप में हुई है। बाइक पर पीछे बैठे माधौपुर निवासी वीरपाल (30) गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद केजीएमयू रेफर किया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, डीसीएम चालक बाइक को लगभग 100 मीटर तक घसीटता ले गया। इस दौरान बाइक वाहन के नीचे फंसी रही। टक्कर के बाद चालक मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक बाराबंकी से प्रशांत के दोस्त अमन के शादी समारोह में शामिल होकर वापस लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। फरार डीसीएम चालक की तलाश शुरू कर दी है।

भयहरण नाथ धाम में 7वाँ सामाजिक सत्याग्रह रहा जारी

राजस्व विभाग ने द्वितीय चरण की पैमाइस पूरी की

3 मई तक वर्तमान दर्ज भूमि की पक्की पैमाइस का दिया राजस्व विभाग ने भरोसा/ 3 मई को सत्याग्रह रहेगा जारी

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन तीर्थ क्षेत्र बाबा भयहरण नाथ धाम में प्रबन्ध संस्था भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान द्वारा धाम को कब्जा मुक्त कराने हेतु सातवां सामाजिक सत्याग्रह देर शाम तक रविवार को जारी रहा। वहीं राजस्व राजस्व विभाग ने सुबह 10 बजे से देर शाम तक धाम व धाम से जुड़ी भूमि के द्वितीय चरण की पैमाइस की गई जिसमे प्रबन्ध समिति व नगर पंचायत कर्मियों ने सहयोग प्रदान किया।

भयहरण नाथ धाम के महासचिव सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर के संयोजन में गत 15 मार्च से चल रहा 7 वाँ सामाजिक सत्याग्रह पूरे उत्साह के साथ जारी रहा। राजस्व विभाग की टीम कानून गो अशोक दूबे के नेतृत्व में धाम के गाटा संख्या 493 के कुल रकबे 22 बीघा 9 बिस्वा की बाहरी व आंतरिक पैमाइस कर ली गई है। अब आगे 3 मई तक मंदिर, तालाब व काशत्कारो की भूमि को अलग अगल चिन्हांकित कर पैमाइस पूर्ण की जायेगी। वहीं प्रबन्ध समिति ने तय किया कि 3 मई रविवार को आँठवां सामाजिक सत्याग्रह होगा और पैमाइस में भी पूर्ण सहयोग किया जायेगा। सत्याग्रह की अध्यक्षता धाम के अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल ने की। नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव ने धाम पहुँच कर सत्याग्रहियों का

उत्साह बढ़ाते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। बीजेपी के पूर्व जिला मंत्री अशोक मिश्र ने मंडल अध्यक्ष रवींद्र पटेल व महामंत्री बलवंत सिंह चौहान के साथ सत्याग्रह में प्रतिभाग कर राजस्व विभाग से जल्द से जल्द धाम व धाम से जुड़ी सार्वजनिक भूमि को चिन्हाकित कर अलग करने की मांग की।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से संरक्षक हीरा लाल, उपाध्यक्ष प्रशासन बबन सिंह, उपाध्यक्ष वित्त एवं लेखा राजीव नयन मिश्र, उपाध्यक्ष संगठन डॉ अमर बहादुर सिंह, सचिव कार्यक्रम आलोक बैरागी, सभासद प्रतिनिधि दीपक जायसवाल, मंदिर व्यवस्था समिति के उप संयोजक महेश्वरी पांडेय, सचिव मुरली पांडेय, मनिराम पटेल, मेला व्यवस्था समिति के उप संयोजक बुद्धि प्रकाश द्विवेदी, मेला सचिव अनिल मिश्र, शत्रुघ्न सिंह, ललित मिश्र, धनश्याम गिरी, घनश्याम अग्रहरि, प्रदीप सोनी, पंकज मिश्र, सुरेश मिश्र, राजेश मिश्र, जय कृष्ण पाल, शिव मुरत मौर्य, अजय अग्रहरि, दिनेश अग्रहरि, कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र, स्वच्छता नायक राज कुमार व संजय गौतम शामिल रहे।

साहित्य साधक मंच का 225 वां सारस्वत कार्यक्रम संपन्न

कविता संग्रह 'अजनबी शहर में' पर हुई सार्थक चर्चा

शहर समता/प्रवल प्रताप सिंह राणा 'प्रवल'

बंगलुरु। अग्रणी साहित्यिक संस्था साहित्य साधक मंच का 225 वां मासिक सारस्वत

कार्यक्रम वरिष्ठ ग़ज़लकार श्री सुरेंद्र कोहली सूरी की अध्यक्षता एवं वरिष्ठ कवि डॉ जय सिंह श्अलवरीश के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कवि अर्जुन सिंह धर्मधारी एवं वरिष्ठ कवयित्री गिरिजा कुलश्रेष्ठ ने विशिष्ट अतिथि के रूप में मंच की गरिमा बढ़ाई। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में गिरिजा कुलश्रेष्ठ द्वारा विरचित कविता संग्रह श्अजनबी शहर मेंश पर चर्चा हुई जिसमें प्रोफ़ेसर मैथिलि पी राव, मंजू वेंकट और ज्ञानचंद मर्मज्ञ ने अपने विचार रखे। चर्चाकारों ने पुस्तक को समय का प्रतिबिम्ब बताते हुए कहा कि श्अजनबी शहर मेंश गिरिजा जी की अनुभूतियों का उत्कृष्ट काव्य संग्रह है जहाँ वे जीवन के उन मूल्यों का ढूंढने का प्रयास करती हैं जो समय के साथ विलुप्त होते जा रहे हैं। पुस्तक छीजती हुई मानवीय संवेदना के निर्जन तट पर भटकती हुई आत्मीयता और विश्वास को सहेजने का जतन करते हुए मनुष्य के आचरण में उगते हुई जंगलों पर प्रश्न खड़ा करती है। चर्चा सत्र के दौरान गिरिजा जी ने श्रोताओं के मन में उमड़ते हुए प्रश्नों का समाधान कर सत्र को सारगर्भित ऊंचाई प्रदान की। सत्र का संचालन कवि भूपेंद्र सिंह कटाक्ष ने किया।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में आयोजित सरस काव्य गोष्ठी का शुभारम्भ पद्मा श्रीनिवासन वसुधा द्वारा प्रस्तुत माँ शारदे की वंदना से हुआ। काव्य गोष्ठी में प्रतीक्षा तिवारी, रचना उनियाल, डॉ जयसिंह अलवरी, सुरेंद्र कोहली सूरी, सुधा अहलूवालिया, अनीता निहालानी, डॉ रजनी शाह, अर्जुन सिंह धर्मधारी, मंजू वेंकट, गिरिजा कुलश्रेष्ठ, ज्ञानचंद मर्मज्ञ, डॉ कृष्ण शर्मा अशेष, अमित अनन्त, उमा नाग, राही राज़, पूनम बेलानी, रघुबीर अग्रवाल, बापू गौड़ा पाटिल, सुशील कुमार, पद्मा श्रीनिवासन, नमिता सिन्हा, स्वीटी सिंघल सखी, सुधा दीक्षित, डॉ मृदुला सिंह, डॉ शैलजा रोला, प्रशांत कुलश्रेष्ठ, आशारानी शरण, भूपेंद्र सिंह कटाक्ष, दीपक पांडेय, उषा उमेश गुप्ता, डॉ अजित कुमार, अधिवक्ता अंजू भारती, पूर्णिमा भगवान और डॉ राज ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को ऊंचाई प्रदान किया। कार्यक्रम में डॉ जावेद, उमेश गुप्ता, मैथिलि पी राव, डॉ कृष्णा अनुराग, एम सी निहालानी, मयंक कुलश्रेष्ठ, अरविन्द अहलूवालिया, अजय कुमार यादव, विजय कुमार, श्वेता और शरद विशेष रूप से उपस्थित थे। संचालन मंच के अध्यक्ष और वरिष्ठ साहित्यकार ज्ञानचंद मर्मज्ञ ने किया।

मधुलिका नाटक का सफल मंचन

प्रयागराज। मधुलिका चाहती तो अपने प्रेम को बचा सकती थी पर मधुलिका ने अपने राष्ट्र के लिए अपने प्रेम का बलिदान कर दिया और अपने प्रेम के लिए स्वयं का राष्ट्र प्रेम का संदेश देता हुआ नाटक मधुलिका की बहुत ही मार्मिक और प्रभावशाली प्रस्तुति कल उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज में की गई।

जयशंकर प्रसाद की कहानी पुरस्कार पर आधारित नाटक मधुलिका का आलेख राजेंद्र तिवारी जी का था। वरिष्ठ साहित्यकार, रंगकर्मी एवं रेडियो नाटक के वरिष्ठ लेखक स्मृति शेष राजेंद्र तिवारी जी की जयंती के अवसर पर क ल र व सांस्कृतिक संस्थान प्रयागराज एवं उत्तर मध्य संस्कृतिक केंद्र प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में नाटक मधुलिका का मंचन किया गया

नाटक समाप्त होने पर लगातार बजती तालिया को देखकर ऐसा लगा कि नाटक दर्शकों के मन को छूने में सफल रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय तथा गिरीश चंद्र त्रिपाठी जी उपस्थित रहे। इन्होंने कलाकारों की भूमिका की सराहना की। अभिनय के पक्ष को देखा जाए तो लगभग सभी कलाकारों ने अपने पात्र के साथ न्याय किया परंतु कोसल नरेश की भूमिका में सतीश तिवारी और अमात्य की भूमिका में मनीष श्रीवास्तव जी के अभिनय ने लोगों को प्रभावित किया। नाटक की नायिका के रूप में मधुलिका का अभिनय करने वाली अद्वितीय मिश्रा ने अपनी प्रभावशाली अभिनय से सारे दर्शकों का हृदय जीत लिया उनके अभिनय की बहुत प्रशंसा हुई। राधिया की छोटी सी भूमिका निभाने वाली वैष्णवी मिश्रा ने अपने अभिनय की अलग ही छाप छोड़ी । नायक अरुण के रूप में पुनीत वर्मा जी का अभिनय अच्छा रहा। अन्य कलाकारों में सेनापति के रूप में निखिल सिंह शंभू की भूमिका में आदित्य कुमार मिश्रा और सैनिकों की भूमिका में नृत्य निर्देशन विजय कुमार पांडे ने किया। मधुलिका नाटक का आलेख राजेंद्र तिवारी जी का था और नाटक का सशक्त और प्रभावशाली निर्देशन दिलीप कुमार तिवारी ने किया ।

एक अकेला पेड़

एक अकेला पेड़ खड़ा तालाब किनारे।
देता उसको छाँव बढ़े जब गर्मी– पारे।
दोनों के संवाद भोर–सी कर अठखेली।
सबकी बनती खास सदा रच नई पहेली।
हरि–समान व्यवहार कर सबको यह आधार दे।
तीज और त्योहार बन खुशियों की सौगात दे।।

एक अकेला पेड़ सभी से हँसकर कहता।
फल मेरा अनमोल भूख को हरदम हरता।
मौसम के अनुरूप पत्तियाँ बन सुखदायी।
गर्मी की सह धूप छाँव को लेकर आयी।
पक्षी का बन आसरा जीव–जन्तु का ठाँव है।
धरती का उपहार यह मानवता का गाँव है

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

भोपाल शहर समता विचार की काव्यगोष्ठी सफलतापूर्वक सम्पन्न

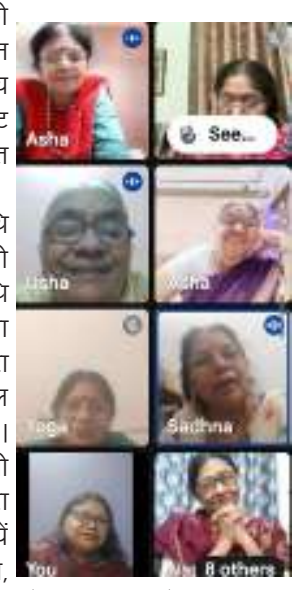

भोपाल। शहर समता विचार मंच भोपाल इकाई की महिला काव्यगोष्ठी आशा सक्सैना की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि आशा जाखड़, विशिष्ट अतिथि, अनीता तिवारी सारस्वत अतिथि सुनीता मिश्रा सिद्धि

काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण अतिथि द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति सीमा सारण द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन साधना शुक्ला ने किया। काव्य गोष्ठी में सभी बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें मनोरमाश्रीवास्तव, सुषमा पटेल, जयप्रभा चंद्राकला भागीरथी, प्रीती अरोरा, अदिति अत्रे, आशा लता दुबे, शोभना खरे, नमिता सेनगुप्ता, करुणा श्रीवास्तव, सीमा स्वरागिनी, चित्र घोटे, सरोज लता सोनी, सरोज दवे ,लता माठे, सुसंस्कृति सिंह, खंजन सिंह, वंदना त्रिपाठी, सीमा भारद्वाज धन्यवाद ज्ञापन. उमा मिश्रा प्रीति द्वारा किया गया।

डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने राया मंडी के गेहूं क्रय केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

किसानों से संवाद कर जानी समस्याएं, पारदर्शी व समयबद्ध खरीद के दिए निर्देश

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने सोमवार को राया मंडी में संचालित गेहूं क्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने किसानों को मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली और केंद्र प्रभारियों को निर्देश दिए कि खरीद प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और समयबद्ध ढंग से संचालित की जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की

परेशानी न हो। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने तौल व्यवस्था, भुगतान प्रक्रिया और साफ–सफाई की स्थिति का गहन अवलोकन किया। उन्होंने मौके पर मौजूद किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप जनपद में 28 गेहूं क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां समर्थन मूल्य पर खरीद की जा रही है। सरकार द्वारा गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया गया है, जबकि मंडी में 2300 से 2400 रुपये प्रति कुंतल की दर से खरीद हो रही है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अधिक से अधिक क्रय केंद्रों पर ही अपना गेहूं बेचें, जिससे उन्हें बेहतर मूल्य मिल सके। उन्होंने यह भी बताया कि क्रय केंद्र पर गेहूं बेचने के 24 घंटे के भीतर भुगतान सीधे किसानों के बैंक खाते में कर दिया जाता है। सरकार का उद्देश्य है कि किसानों की उपज समय पर और उचित मूल्य पर खरीदी जाए तथा उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा न होने दी जाए।

उत्तर मध्य रेलवे

No. DYCE-II-GSU-PRYJ-09&10-2026 दिनांक : 25.04.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य अभियन्ता-II/जी.एस.यू./प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे के अधीन निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित करते हैं (द्वारा खुली निविदा)। बोली लगाने वाले अपने मूल/संशोधित बिड्स समाप्ति तिथि एवं समय तक मात्र जमा कर सकते हैं। इस निविदा के लिए मैनुअल ऑफर की अनुमति नहीं है और प्राप्त किसी ऐसे मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा।

निविदा संख्या : DYCE-II-GSU-PRYJ-09-2026	अनुमानित लागत : 54.09 करोड़
कार्य का विवरण : उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज डिवीजन के कानपुर-रूरा खंड में एलसी संख्या 85-Spl के स्थान पर किलोमीटर 1038/13-15 पर 2 लेन आरओबी (एंड टू एंड) का निर्माण का निर्माण।	
धरोहर धनराशि : 1,09,18,000/-	निविदा फार्म का मूल्य : 0.00/-
खुलने की तिथि : 26.05.2026 15:00 Hrs.	कार्य समापन अवधि : 18 महीने
निविदा संख्या : DYCE-II-GSU-PRYJ-10-2026	अनुमानित लागत : 1.30 करोड़
कार्य का विवरण : उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज डिवीजन के उप मुख्य इंजीनियर-II/जी.एस.यू. प्रयागराज के तहत विभिन्न आरओबी कार्यों के लिए संरचनात्मक डिजाइन और ड्राइंग तैयार करना (एकल पैकेट प्रणाली)	
धरोहर धनराशि : 2,60,700/-	निविदा फार्म का मूल्य : 0.00/-
खुलने की तिथि : 26.05.2026 15:00 Hrs.	कार्य समापन अवधि : 4 महीने

नोट- 1: उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) https://www.ireps.gov.in पर निर्धारित तिथि तक 15:00 बजे तक उपलब्ध रहेगा। 2: उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु टेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T. Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class-III, Digital हस्ताक्षर प्रमाण-पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3: निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्शियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4: संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। 5: किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है।

918/26 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय.....

आप को बड़ा झटका

पंजाब में विधानसभा चुनाव से सिर्फ दस महीने पहले, राज्यसभा के सात सांसदों द्वारा आम आदमी पार्टी का साथ छोड़ने से पार्टी का संकट गहराता नजर आ रहा है। बगावती तेवरों वाले तीन राज्यसभा सदस्यों राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल ने पार्टी में विभाजन की घोषणा करते हुए कहा है कि उच्च सदन में आप के दो–तिहाई सांसद यानी दस में सात सदस्यों ने एक गुट के रूप में भारतीय जनता पार्टी में विलय करने का निर्णय कर लिया है। हाल के महीनों में खासे मुखर रहने वाले राघव चड्ढा को राज्यसभा में आप के उपनेता पद से हटाये जाने के बाद उनके द्वारा शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोलने के बाद तो विभाजन के संकेत मिलने शुरू हो गए थे। विडंबना यह है कि राज्यसभा में राघव चड्ढा के स्थान पर आप के उप नेता की जगह लेने वाले अशोक मित्तल ने भी उनका ही साथ दिया है। इसमें दो राय नहीं कि बीते साल दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा के हाथों मिली करारी हार के बाद आम आदमी पार्टी के लिये यह सबसे बड़ा झटका माना जा रहा है। एक समय था कि राघव चड्ढा को आम आदमी पार्टी में नई पीढ़ी का ऊर्जावान प्रतीक चेहरा माना जाता रहा है। अब वे ही आप नेतृत्व पर पार्टी के मूलभूत आदर्शों से पीछे हटने का आरोप लगा रहे हैं। राघव व पार्टी के अन्य बागी सांसदों ने आरोप लगाया है कि आम आदमी पार्टी जनसरोकारों को प्राथमिकता देने के बजाय निजी लाभ को तरजीह दे रही है। उनके निशाने पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ही हैं। जिन्हें पंजाब में मान सरकार की बागडोर दिल्ली से संचालित करने वाला माना जाता रहा है। जैसा कि आपेक्षित था, आबकारी नीति मामले में मुश्किल में फंसे और अदालती लड़ाई लड़ रहे केजरीवाल ने इन सांसदों पर विश्वास तोड़ने और पंजाब की जनता से छल करने का आरोप लगाया है। केजरीवाल ने आप से अलग होने वाले सांसदों पर पंजाब के लोगों के साथ विश्वासघात करने वाला बताया है। वहीं दूसरी ओर भाजपा भी केजरीवाल के निशाने पर है, जिस पर उन्होंने सुनियोजित साजिश करके आम आदमी पार्टी को कमजोर करने का आरोप लगाया है। वास्तव में भाजपा सीमावर्ती राज्य पंजाब में विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी जड़ें मजबूत करने की कवायद में जुटी है। इसी कड़ी में भगवा पार्टी ने हाल के वर्षों में पंजाब के कई कांग्रेसी नेताओं को अपने पाले में करने में कामयाबी पायी है। निश्चित रूप से राज्य सभा में आप के दो तिहाई सांसदों का टूटकर भाजपा में मिलना आम आदमी पार्टी के लिये बड़ी चुनौती है। जिसके चलते पंजाब में अपनी खोई जमीन पाने के लिये पार्टी को एकजुट करके आगे बढ़ने की बड़ी चुनौती सामने खड़ी है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि आप के कुछ और नेता आगामी दिनों में भाजपा का दामन थाम लें। लेकिन यहां सवाल आप सुप्रीमो पर उठ रहे हैं कि क्या उन्होंने इन नेताओं को राज्यसभा का टिकट देते वक्त पार्टी की रीति–नीतियों की कसौटी पर परखा था या फिर पार्टी की आर्थिक प्राथमिकताओं को ही उनकी योग्यता मान लिया गया था। जाहिर है ये लोग सार्वजनिक जीवन में बहुत चर्चित चेहरे होने के बजाय आर्थिक रूप से समृद्ध लोग रहे हैं। जब चयन में आर्थिक प्राथमिकताएं होती हैं तो चयनित सदस्यों के निर्णय में भी लाभ–हानि का गणित ही प्रभावी रहता है। यहां सवाल कुछ सासंदों के कारोबारी छिद्रों पर सरकारी एजेंसियों का दबाव का भी है, जिन पर पिछले दिनों कार्रवाई भी हुई थी। अनुमान लगाये जा रहे हैं कि शायद इस कार्रवाई के बाद विभिन्न कारोबार से जुड़े अन्य सांसद भी दबाव में आ गए। उन्होंने केंद्र में सत्तारूढ़ राजग की धुलाई मशीन से गुजरना ज्यादा सुरक्षित महसूस किया। बहरहाल, इस घटनाक्रम ने अन्य राज्यों में विपक्षी दलों के लिये भी खतरे की घंटी बजा दी है। निश्चय ही इंडी गठबंधन के लिये अपने दलों को एकजुट रखना आने वाले दिनों चुनौती साबित हो सकता है।

राजनीति में क्यों लांघी जा रही भाषा की मर्यादा

रोहित कौशिक

हाल ही में 5 राज्यों के विधानसभा चुनावों में जुबानी तीर भी खूब चले। जुबानी तीर जब भाषा की मर्यादा लांघ जाएं तो

राजनेताओं को यह सोचने की जरूरत है कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। देश और दुनिया में पिछले 10 साल से राजनीति का स्तर गिरता जा रहा है। लगातार भाषा की मर्यादाएं लांघी जा रही हैं। हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने तमिलनाडु में प्रधानमंत्री को कथित तौर पर आतंकवादी कहा। हालांकि बाद में उन्होंने सफाई देते हुए कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी लोगों और राजनीतिक पाष्टयों को डरा रहे हैं। मैंने कभी नहीं कहा कि वे आतंकवादी हैं। ई.डी., आयकर विभाग और सी.बी.आई. छापेमारी कर रहे हैं। चुनाव आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री को आतंकी कहने के मामले में चुनाव आयोग से खरगे की शिकायत की थी। इसके बाद महाराष्ट्र के मंत्री नीतिश राणे ने कहा कि इस देश में सिर्फ एक आतंकवादी है और वो है राहुल गांधी, जो पाकिस्तान की भाषा बोलता है। इसके साथ ही एक चुनावी रैली में गृहमंत्री अमित शाह ने भी ममता बनर्जी के लिए गलत लहजे में बात की। अगर हम पिछले 4–5 महीने के राजनेताओं के वक्तव्यों पर गौर करेंगे तो गंदी भाषा के अनेक उदाहरण सामने आ जाएंगे। सार्वजनिक जगहों पर यह गंदी भाषा वे लोग बोल रहे हैं, जो अपनी अपनी पार्टी में या फिर सरकार में जिम्मेदार पदों पर हैं। सवाल यह है कि क्या गंदी भाषा के बिना राजनीति नहीं हो सकती? मल्लिकार्जुन खरगे एक वरिष्ठ राजनेता हैं और देश की सबसे पुरानी पार्टी के अध्यक्ष हैं। क्या उन्हें प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहना शोभा देता है? इस मुद्दे पर कांग्रेस के समर्थक यह कह सकते हैं कि भाजपा के लोग सोनिया गांधी और राहुल गांधी के बारे में अक्सर गंदी भाषा का इस्तेमाल करते रहते हैं। पं. नेहरू को भी बदनाम करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। इसलिए अगर खरगे ने प्रधानमंत्री के बारे में गलत शब्द बोल दिया तो क्या हो गया। तो क्या इस आधार पर मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहना उचित है? निश्चित रूप से नहीं। अगर दूसरों के संस्कार ठीक नहीं, तो क्या हमें भी अपने संस्कार उन जैसे ही कर लेने चाहिएं? निश्चित रूप से पं. नेहरू, सोनिया गांधी और राहुल गांधी के बारे में आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया जाता है। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबंध में भी आपत्तिजनक भाषा बरती जाती है। कई बार कांग्रेस भी भाजपा को स्वयं ही एक मुद्दा पकड़ा देती है और भाजपा कई दिनों तक उस पर उछल–कूद करती रहती है। सवाल यह नहीं कि किस राजनीतिक दल के नेता ने कब किस प्रकार की अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया, सवाल यह है कि अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया ही क्यों गया? इस दौर में राजनेता जोश और अतिरेक में आकर राजनीति की मूल भावना को तिलांजलि दे रहे हैं। राजनीति अपनी ठसक या हनक दिखाने का माध्यम बना दी गई है। राजनेताओं को यह समझना चाहिए कि राजनीति में अहंकार का कोई स्थान नहीं होता लेकिन इस दौर की राजनीति में राजनेताओं में अहंकार बढ़ता जा रहा है। यहां बात भाजपा, कांग्रेस या फिर किसी एक दल की नहीं, सभी राजनेताओं के संस्कार की है। तो क्या आज की राजनीति संस्कारहीन हो गई है? कुछ भी हो, राजनेताओं को भाषा की मर्यादा का ख्याल तो रखना ही चाहिए। तभी वरिष्ठ राजनेता नई पीढ़ी के राजनेताओं को राजनीति का सही पाठ पढ़ा और राजनीतिक शुचिता को भी महत्व दे पाएंगे। राजनीति में स्वयं को ईमानदार और दूसरों को पापी साबित करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जो राजनीति के मूल चरित्र को कठघरे में खड़ा कर रही है। इस दौर में मुद्दों पर बात कम हो गई है और व्यक्तिगत बातों पर ज्यादा ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है। इस सारी प्रक्रिया में सबसे दुखद यह है कि धीरे–धीरे राजनीति में नफरत की भावना बढ़ती जा रही है। इस दौर में साम्प्रदायिक राजनीति को ही असली राजनीति समझ लिया गया है। यही कारण है कि धर्म के नाम पर राजनीति में इंसानियत खत्म होती जा रही है। राजनीति के इस नकारात्मक भाव के लिए आम जनता में भी कोई हलचल या गुस्सा नहीं है। आम जनता ने इसे ही अपनी नियति समझ लिया है, बल्कि कई बार तो आम जनता राजनीति की बदलती धारा में स्वयं ही शामिल हो जाती है। यही कारण है कि इस दौर में मूल समस्याओं के लिए होने वाले आन्दोलन कमजोर हो गए हैं। कुछ कुटिल राजनेता और समाज के कुछ ठेकेदार मिलकर एक ऐसा वातावरण बना रहे हैं, जिससे समाज के विभिन्न वर्गों और धर्मों के लोगों के बीच आपसी विश्वास कम हुआ है। सवाल यह है कि राजनीति की यह बदलती प्रवृत्ति क्या भविष्य में हमें अंधकार की तरफ धकेल रही है? ऐसे ही अनेक प्रश्नों पर गंभीरता के साथ ङ्क्षचतन का समय अब आ गया है।

भाजपा का लक्ष्य सदा के लिए सत्ता में बने रहना

पी. चिदम्बरम

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भारत की किसी भी अन्य पार्टी, चाहे वह अतीत की हो या वर्तमान की, से अलग है। इसका लक्ष्य केवल अधिक से अधिक बार

चुनाव जीतना नहीं, बल्कि चुनाव जीतना और हमेशा के लिए सत्ता में बने रहना है। इस लिहाज से भाजपा चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सी.पी.सी.) की तरह है। सी.पी.सी. का सत्ता तक पहुंचने का रास्ता जापानी आक्रमणकारियों के खिलाफ एक क्रूर युद्ध और 1945 में जापान के आत्मसमर्पण के बाद, 1949 में कुओमिन्तांग (के.एम.टी.) के खिलाफ एक कड़वे गृहयुद्ध के माध्यम से था। सी.पी.सी. तब से सत्ता में बनी हुई है। 1950 में अपनाया गया भारत का संविधान कई राजनीतिक दलों की अनुमति देता है और संघ–स्तर तथा राज्य–स्तर पर समय–समय पर चुनाव और सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण का आदेश देता है। चीन और भारत के बीच यही महत्वपूर्ण अंतर है।

भाजपा और आर.एस.एस. रू अपनी स्थापना के समय जनसंघ और बाद में भारतीय जनसंघ और अपने वर्तमान स्वरूप में भारतीय जनता पार्टी, भारत के संविधान में विश्वास करती थी। इसका पोषण एक लोकतांत्रिक पार्टी के रूप में किया गया था और इसे राजनीतिक स्पैक्ट्रम के दक्षिणपंथी छोर पर रखा गया था। इसने खुद को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से अलग करने का प्रयास किया, जिसने वाम–मध्य (लेफ्ट–ऑफ–सैंटर) स्थान पर कब्जा कर रखा था। श्यामा प्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय, ए.बी. वाजपेयी और एल. के. अडवानी के नेतृत्व में भाजपा वर्षों तक एक लोकतांत्रिक पार्टी बनी रही। हालांकि, भाजपा के राजनीतिक गुरु, आर.एस.एस. का भारत की राजनीति और राजनीतिक वास्तुकला के बारे में एक अलग दृष्टिकोण था, और है। आर.एस.एस. का मानना है कि भारत एक भाषा, एक संस्कृति, एक राजनीतिक दल और जहां तक संभव हो, एक धर्म वाला देश होना चाहिए। प्रधानमंत्री और भाजपा के वास्तविक (डी फैक्टो) नेता नरेंद्र मोदी एक ऐसे विचारक हैं जो भारत के बारे में आर.एस.एस. के दृष्टिकोण को स्वीकार करते हैं लेकिन साथ ही, वह यह महसूस करने के लिए पूरी तरह से व्यावहारिक हैं कि आर.एस.एस. का लक्ष्य केवल चुनावी जीत के माध्यम से नहीं, बल्कि सावधानीपूर्वक तैयार किए गए कदमों के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। 2014 से मोदी सरकार द्वारा उठाए गए संवैधानिक, विधायी और प्रशासनिक कदमों को इसी नजरिए से देखा जाना चाहिए। नागरिकता (संशोधन) अधिनियम और समान नागरिक संहिता का मोदी द्वारा पुरजोर समर्थन, जम्मू–कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम का पारित होना, अनुच्छेद 73, अनुच्छेद 162 और संविधान के भाग ग्, XII और ग्प्ट के प्रावधानों की रचनात्मक व्याख्या और 'एक राष्ट्र एक चुनाव' (ओ.एन.ओ.ई.) को लागू करने का दृढ़ प्रयास, ये सभी तथाकथित 'विकसित भारत' की शुरुआत करने के लिए गणना किए गए कदम हैं। 2014 से 2024 तक मोदी का वर्चस्व था। उन्हें पूरे विश्वास के साथ उम्मीद थी कि भारत के लोग 2024 के चुनाव में उनकी पार्टी को लोकसभा में 400 सीटें देंगे लेकिन उन्हें एक बड़ा झटका लगा, लोगों ने उन्हें केवल 240 सीटें दीं, जो कि 543 सीटों के साधारण बहुमत से भी कम है। 2024 के बाद से उनके सभी प्रयास 2029 से पहले खोई हुई जमीन को वापस पाने के लिए हैं। मान लीजिए कि भाजपा संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 को पारित करने में सफल हो गई होती। महिलाओं के लिए सीटों के आरक्षण की आड़ में, इसने परिसीमन और चुनावी क्षेत्रों में हेरफेर की अनुमति दे दी होती। नए कानून दक्षिण भारतीय राज्यों को देश के शासन में अप्रासंगिक बना देते। इसके अलावा, भाजपा 2029 में ओ.एन.ओ.ई. की अवधारणा को लागू करने के लिए विधेयक (विधेयकों) सहित संविधान के अन्य संशोधनों को पारित करने के लिए संसद में दबाव डालती। 2024 के लोकसभा चुनावों तक, भाजपा ने सोचा था कि उसके पास चुनाव जीतने का एक विजयी फार्मूला है–9 दक्षहदी भाषी राज्यों और गुजरात में एक क्रूर संगठनात्मक मशीन, महाराष्ट्र, पंजाब और जम्मू के जिलों जैसे हिंदी जानने वाले राज्यों में एक उचित रूप से फिट पार्टी, धन शक्ति, आज्ञाकारी राज्यपाल, डरा हुआ नौकरशाही ढांचा, तलाशी लेने, जब्त करने, गिरफ्तार करने और मुकद्दमा चलाने की शक्ति वाली दब्बू जांच एजैंसियां, एक कब्जे में लिया गया या पालतू मीडिया, भारत के चुनाव आयोग का मौन समर्थन और एक संयमित न्यायपालिका। पूर्ण सत्ता की राह में बाधाएं दक्षिण भारतीय राज्य और पश्चिम बंगाल हैं। मुझे डर है कि 'एक राष्ट्र एक चुनाव' विधेयक यदि पारित हो जाता है, तो यह विपक्षी गुट को छिन्न–भिन्न कर सकता है। क्षेत्रीय और एक–राज्यीय दल कांग्रेस के साथ मिलकर विपक्षी गुट बनाते हैं। उनके आपस में मतभेद हैं और वे राज्य विधानसभा और स्थानीय निकायों के चुनावों में एक–दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ते हैं। साथ ही, उनमें लोकसभा चुनाव में एक गुट बनाने की क्षमता है, जैसा कि उन्होंने 2024 में किया था। यदि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं (और अंततरू स्थानीय निकायों) के चुनाव एक साथ होते हैं, तो क्षेत्रीय दलों के लिए एक साथ आना और एक गुट बनाना बेहद मुश्किल होगा, जो अकेले उन्हें लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराने का सबसे अच्छा मौका देता है। ओ.एन.ओ.ई. उस महत्वाकांक्षा पर पानी फेर देगा। इसलिए, भाजपा ओ.एन.ओ.ई. विधेयक पारित होना अपने भव्य डिजाइन के महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में देखती है। 2024 के लोकसभा चुनावों का सबक यह है कि कई दलों द्वारा 'इंडिया' ब्लॉक बनाने के बावजूद, वे भाजपा को नहीं हरा सके, जो 240 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। आपसी तालमेल के साथ, 'इंडिया' ब्लॉक में खुद को विस्तार देने की क्षमता है। यदि दल इस सबक को नहीं सीखते, तो कई छोटी पार्टियां पीछे छूट जाएंगी और गायब हो सकती हैं। अंततरू, लोकसभा चुनाव में 2 बड़े गठबंधन केंद्र में भाजपा द्वारा सत्ता के एकाधिकार को रोकेंगे, वैकल्पिक राजनीतिक विकल्प पैदा करेंगे और भारत के धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक और गणतंत्रात्मक संविधान को बनाए रखेंगे।

दल–बदल कानून पर फिर छिड़ी बहस

आम आदमी पार्टी (आप) के दस में से सात राज सभा सदस्यों (सांसदों) ने गत 24 अप्रैल को अपनी पार्टी से अलग होकर नया गुटा बना लिया और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में विलय कर लिया। उसके बाद से ही दल–बदल का मामला एक बार फिर

चर्चा में आ गया है। नेताओं के चुनाव जीतने के बाद पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी में शामिल होना अथवा नई पार्टी बनाकर सरकार गिरा देना लोकतंत्र के लिए शोभनीय तो नहीं कहा जा सकता लेकिन निजी स्वतंत्रता हमारे संविधान के मूल तत्व में शामिल है। दल–बदल के सबसे ज्यादा मामले हरियाणा से शुरू हुए थे जहां आयाराम–गयाराम की कहावत राजनीति में प्रचलित हुई। उसके बाद यह बीमारी बहुत तेजी से फैली और सभी राज्यों को अपनी चपेट में ले चुकी है। पिछले दिनों मणिपुर में दल–बदल के बाद ही नयी सरकार बनी और उससे तीन साल पहले महाराष्ट्र में जबर्दस्त दल–बदल हुआ था। चुनाव लड़कर दल–बदल करने वालों की बात अलग है लेकिन राज्यसभा और विधान परिषदों में जब सिर्फ राजनीतिक दल ही किसी को भेजता है तो क्यों उस सदस्य को भी दल–बदल करके अपनी सदस्यता भी कायम रखने का अधिकार होना चाहिए। सीनियर एडवोकेट एएम सिंघवी का नजरिया है कि दशवीं अनुसूची संविधान का निरर्थक हिस्सा है और इसे पूरी तरह से हटा देना चाहिए। इसके स्थान पर सिर्फ दो लाइनें रखनी चाहिए कि कोई भी संसद या विधायक जिस पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा था अगर उसे दल–बदल करना है तो उसे सदन की सदस्यता को खो देनी है और उसे दोबारा चुनाव लड़ना होगा। राज्य सभा अथवा विधान परिषद में तो पार्टी का अपने सदस्य पर ज्यादा अधिकार होता है। इसलिए अपनी सदस्यता बनाये रखने के लिए कोई संविधान की 10वीं अनुसूची का सहारा लेता है तो उसे नैतिक दृष्टि से उचित नहीं माना जाना चाहिए। राघव चड्ढा की अगुवाई में आम आदमी पार्टी के सात सांसदों के बीजेपी में शामिल होने के बाद एक बार फिर दल बदल का मुद्दा चर्चा का विषय बन गया है। सियासी हलचल के बीच दल–बदल कानून को लेकर बड़ी कानूनी बहस छिड़ गई है। कानूनी विशेषज्ञों के मुताबिक दसवीं अनुसूची राजनीतिक दलबदल को रोकने में तब नाकाम रहती है, जब दलबदल विलय का रूप ले लेता है। आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों का भाजपा में शामिल होना दलबदल विरोधी कानून का उल्लंघन नहीं माना जाएगा, क्योंकि यह कानून किसी भी विधायी दल के दो–तिहाई सदस्यों को अलग होकर किसी दूसरे दल में विलय करने की अनुमति देता है।विशेषज्ञों के मुताबिक संविधान की 10 वीं अनुसूची में विलय की स्थिति में छूट दी गई है। यदि किसी सदन में किसी पार्टी के दो–तिहाई सदस्य अलग होकर किसी अन्य दल में विलय का फैसला करते हैं, तो उन पर अयोग्यता लागू नहीं होती। वरिष्ठ अधिवक्ताओं मुकुल रोहतगी, नीरज किशन कौल और मनिंदर सिंह ने कहा कि दसवीं अनुसूची की धारा 4(2) में यह प्रावधान है कि अयोग्यता की सजा तब लागू नहीं होगी, जब सदन में किसी विधायी दल के दो–तिहाई सदस्य उस दल से अलग होने का फैसला कर लें, जिसके टिकट पर वे चुनाव जीते थे और किसी दूसरे दल में विलय कर लें। हालांकि, सीनियर एडवोकेट एएम सिंघवी ने इस पर अलग नजरिया रखा। उन्होंने कहा कि सिर्फ विधायिका दल का विलय काफी नहीं है, बल्कि मूल राजनीतिक दल का विलय भी जरूरी होता है। सुप्रीम कोर्ट भी यह स्पष्ट कर चुका है कि विधायिका दल और राजनीतिक दल अलग–अलग इकाइयां हैं। हालाकि, उन्होंने कहा कि इससे भी ज्यादा अहम बात यह है कि ऐसे विवादों का फैसला करने वाला व्यक्ति सदन का स्पीकर होता है, जिसे अपना पद सत्ताधारी दल से मिलता है। इस वजह से दलबदल विरोधी कानून के प्रावधानों के तहत ऐसे सांसदों, विधायकों को अयोग्य ठहराना मुश्किल हो जाता है। मुकुल रोहतगी और मनींदर सिंह ने कहा कि विधायी दल सदन से जुड़ा होता है। अगर राज्यसभा में किसी पार्टी के कुल सदस्यों में से दो–तिहाई सदस्य किसी दूसरी पार्टी में विलय का फैसला करते हैं, तो इसे वैध विलय माना जाएगा और एंटी–डिफेक्शन कानून के तहत उन्हें अयोग्य नहीं ठहराया जाएगा। भारतीय संविधान की दसवीं अनुसूची (जिसमें दलबदल विरोधी कानून का उल्लेख है) का उद्देश्य पद के लालच, भौतिक लाभों या इसी तरह के अन्य प्रलोभनों से प्रेरित राजनीतिक दलबदल को रोकना है। दलबदल विरोधी कानून संसद द्वारा 1985 में पारित किया गया था और 2002 में इसे और अधिक प्रभावी बनाया गया। भारतीय संविधान की 10वीं अनुसूची, जिसे आमतौर पर दल–बदल विरोधी कानून के रूप में जाना जाता है, को संविधान के 52वें संशोधन (1985) द्वारा जोड़ा गया था। दल–बदल को इस प्रकार परिभाषित किया गया है, किसी पद या संगठन को त्याग देना, अक्सर किसी विरोधी समूह में शामिल हो जाना। दल–बदल विरोधी कानून इसलिए बनाया गया था ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी पार्टी सदस्य पार्टी के जनादेश का उल्लंघन न करे और ऐसा करने पर उसकी सदन की सदस्यता रद्द कर दी जाएगी। यह कानून संसद और राज्य विधानसभाओं दोनों पर लागू होता है। दल–बदल विरोधी कानून का उद्देश्य सांसदों को किसी भी व्यक्तिगत मकसद से राजनीतिक दल बदलने से रोकना है। दसवीं अनुसूची में दलबदल के आधार पर सांसदों और विधायकों की अयोग्यता के संबंध में निम्नलिखित प्रावधान किया गया है। अयोग्यता के आधार–यदि कोई निर्वाचित सदस्य स्वेच्छा से किसी राजनीतिक दल की सदस्यता छोड़ देता है। यदि वह सदन में अपने राजनीतिक दल द्वारा जारी किसी भी निर्देश के विपरीत मतदान करता है या मतदान से अनुपस्थित रहता है। यदि कोई स्वतंत्र रूप से निर्वाचित सदस्य किसी पार्टी में शामिल हो जाता है।

सीमा वर्णिका की कलम से

मजबूरी

रीना चौथी की विदा में मायके पहुँची। अम्मा उसकी उदासी भाँप गयीं थीं।

अम्मा का दिल आशंका से जोरों से धड़क रहा था

ष्रीना बिटिया आओ अंदर चल कर आराम करो, ष्अम्मा बोलीं।

रीना कमरे में अम्मा को अकेले पाकर वह फूट–फूटकर रो पड़ी उसके धीरज का बाँध टूट गया था ।

ष्क्या हुआ बेटा.. किसी ने कुछ कहा.. सब ठीक तो है,ष अम्मा ने एक के बाद एक प्रश्न दाग दिए।

ष्अम्मा कैसे लड़के से हमारी शादी करा दी है,ष रीना दुरूख व क्रोध के मिले–जुले स्वर में अम्मा से बोली ।

ष क्या हुआ.. लड़के में कोई कमी है क्या..,ष अम्मा बोलीं।

ष्अम्मा क्या बताएँ.. उनको लाइलाज गंभीर बीमारी है,ष कहकर रीना रो पड़ी।

ष्धोखा दिया लड़के वालों ने.. पहले बताना तो चाहिए था,ष ठगी सी अम्मा बिफर पड़ीं।

ष्हम अपनी बिटिया ऐसे धोखेबाजों के घर नहीं भेजेंगे,ष अम्मा ने फैसला सुनाया।

ष्नहीं अम्मा.. जाना तो पड़ेगा ..मजबूरी है.. भाग्य को कौन बदल सकता है,ष रीना दूर खड़ी अपनी छोटी बहनों को देखते हुए बोली।

सीमा वर्णिका,
कानपुर

चांद मेरा दिल से लेकर सुनो ना दिल तक, ये ट्रेंडिंग रोमांटिक गाने जो प्लेलिस्ट्स पर छाए हुए हैं!

> आज के दौर में जब लोग अपने जज़्बातों से जुड़ने वाला संगीत तलाशते हैं, ये नए गाने तेजी से हर किसी की प्लेलिस्ट में अपनी जगह बना चुके हैं। आइए नजर डालते हैं उन रोमांटिक गानों पर जिन्हें हर कोई बार-बार सुन रहा है।

बॉलीवुड का रोमांटिक संगीत हमेशा से हर पीढ़ी के दिलों को छूता आया है। चाहे वो नए प्यार की मासूमियत हो, अनकही भावनाएं हों या फिर हमेशा साथ निभाने का वादा ये गाने उन एहसासों को बखूबी बयां करते हैं जिन्हें शब्दों में कहना मुश्किल होता है। आज के दौर में जब लोग अपने जज़्बातों से जुड़ने वाला संगीत तलाशते हैं, ये नए गाने तेजी से हर किसी की प्लेलिस्ट में अपनी जगह बना चुके हैं। आइए नजर डालते हैं उन रोमांटिक गानों पर जिन्हें हर कोई बार–बार सुन रहा है।

चांद मेरा दिल– टाइटल ट्रैक

नर्म, ख्वाबों सा और रोमांस से भरपूर, चांद मेरा दिल अनन्या पांडे और लक्ष्य की नई जोड़ी को साथ लाता है। फहीम अब्दुल्ला की आवाज, सचिनदृजिगर का संगीत और अमिताभ भट्टाचार्य के बोल इस गाने को बेहद खास बनाते हैं, जो प्यार में पड़ने की खूबसूरती को इस तरह दर्शाता है कि इसकी धुन लंबे समय तक दिल में बस जाती है।

सुनो ना दिलः दादी की शादी

प्यार के अनकहे पहलुओं को छूता हुआ यह आत्मीय गाना अपनी कालातीत एहसास के लिए खास है। सोनू निगम और सुनिधि चौहान की आवाज, गुलराज सिंह का संगीत और मनोज यादव के लिखे बोल इसे बेहद दिल को छू लेने वाला बनाते हैं। कपिल शर्मा और सादिया खतीब पर फिल्माया गया यह गाना आज की रोमांटिक प्लेलिस्ट में एक खास जगह बना चुका है।

तू ही दिसदाः भूत बंगला

आधुनिक अंदाज और गहरी भावनाओं का मेल, तू ही दिसदा एक ताजगी भरा रोमांटिक माहौल लेकर आता है। अक्षय कुमार और वामिका गब्बी पर फिल्माया गया यह गाना अरिजीत सिंह और निखिता गांधी की आवाज में है, जिसमें प्रीतम का संगीत और कुमार के बोल इसे तुरंत ही दिल में बस जाने वाला बनाते हैं।

प्रेम की लीलाः कृष्णावतारम

दिव्य प्रेम में रचा–बसा प्रेम की लीला एक भव्य और आत्मीय संगीत अनुभव देता है। श्रेया घोषाल, जावेद अली और सुवर्णा तिवारी की आवाज, इरशाद कामिल के बोल और प्रसाद शास्ते का संगीत इस गाने को खास बनाते हैं। राधा, सत्यभामा और रुक्मिणी के साथ कृष्ण की कहानी को दर्शाता यह गाना इस सूची में एक आध्यात्मिक गहराई जोड़ता है।

तुमपे ही प्यार आ गयाः गिन्नी वेड्स सनी 2

हल्का–फुल्का, प्यारा और आकर्षण से भरपूर, तुमपे ही प्यार आ गया प्यार में पड़ने की खुशी को खूबसूरती से दिखाता है। अविनाश तिवारी और मेधा शंकर पर फिल्माया गया यह गाना सुषांत–शंकर के संगीत, कुमार के बोल और सोनू निगम की आवाज के साथ एक अच्छा महसूस कराने वाला ट्रैक बन जाता है, जिसे बार–बार सुनने का मन करता है। हर गाना प्यार के अलग–अलग रंगों को सामने लाता है और यही वजह है कि ये सभी ट्रैक प्लेलिस्ट्स पर छाए हुए हैं।

जब अक्षय के प्रैंक से जैकलीन को हो गया था ट्रॉमा, एक्ट्रेस ने शेयर किया डरावना किस्सा

अक्षय कुमार का रियलिटी गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया' आज ग्रैंड फिनाले के साथ खत्म होने जा रहा है, जिसमें फराह खान, जैकलीन फर्नांडिस और भूमि पेडनेकर नजर आएंगी। शो में जैकलीन फर्नांडिस ने बताया कि एक बार अक्षय ने उनके साथ ऐसा प्रैंक किया था, जिससे उन्हें सचमुच का ट्रॉमा हो गया था। शो के दौरान अक्षय कुमार ने जैकलीन से पूछा, 'आपको इंडस्ट्री में 17 साल हो गए हैं, क्या कभी किसी ने आपसे गलत बात की है?' इस पर जैकलीन हंसते हुए बोलीं, 'हां, बहुत।' इसके बाद अक्षय ने उनसे डिटेल में बताने को कहा, तो जैकलीन ने अपने पहले आइटम सॉन्ग 'धन्नो' का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'मेरा पहला आइटम सॉन्ग फिल्म हाउसफुल में 'धन्नो' था, और उस समय अक्षय ने मेरे साथ बहुत गंदा प्रैंक किया था। इससे मुझे सच में ट्रॉमा हो गया था।' उन्होंने आगे बताया, 'सेट पर काफी सिक्योरिटी थी, बॉडीगार्ड्स और लोग खड़े थे। मुझे लगा पुलिस है, तो मैंने कैजुअली पूछ लिया कि इतनी सिक्योरिटी क्यों है। थोड़ी देर बाद अक्षय मेरे पास आकर बोले, 'जैकलीन, तुमने कुछ गलत किया है क्या? पुलिस तुम्हारे लिए आई है। गाने के बाद तुम्हें स्टेशन ले जाएंगे।' जैकलीन ने कहा, 'मैं पूरे गाने के दौरान बहुत डर गई थी। मुझे समझ ही नहीं आ रहा था कि मैंने ऐसा क्या कर दिया है।' बाद में जब अक्षय को एहसास हुआ कि उनका प्रैंक ज्यादा हो गया, तो उन्होंने माफी मांगी। उन्होंने कहा, 'अगर मैंने ऐसा किया था, तो मैं सॉरी बोलता हूं।' अक्षय ने आगे कहा, 'इंसान को हंसते–खेलते रहना चाहिए, थोड़ी मस्ती करनी चाहिए। प्रैंक भी करने चाहिए, लेकिन सिर्फ तब तक जब तक किसी को दुख न हो। अगर किसी को दुख नहीं हो रहा, तो मस्ती चलती रहनी चाहिए।

`निगेटिव पीआर बॉलीवुड में चरम पर है', नवाजुद्दीन सिद्दीकी बोले- फिल्म का प्रमोशन न करना हो, तो मैं दिखूं भी ना

बॉलीवुड में पीआर कल्चर काफी बढ़ गया है। इसके साथ ही पैसे देकर किसी के खिलाफ निगेटिव पीआर इन दिनों एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है। इस बारे में कई कलाकारों ने खुलकर बात की। करण जौहर ने तो पेड पीआर को बंद करने की अपील भी की। अब अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने पेड निगेटिव पीआर को लेकर बात की है। नवाज का कहना है कि मौजूदा दौर एक चरम स्तर पर पहुंच गया है, जहां बॉट्स, झूठी कहानियां और मनगढ़ंत राय जनता की सोच को प्रभावित कर रही हैं। आज के दौर में कई चीजें एक अभिनेता के कंट्रोल से बाहर हैं। जूम के साथ बातचीत में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने निगेटिव पीआर और पीआर कल्चर को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि एक अभिनेता के कंट्रोल में केवल एक ही चीज है और वो है अच्छा प्रदर्शन करना। प्रदर्शन कितना आगे जाएगा, यह उनके हाथ में नहीं है। फिल्म के प्रमोशन के बारे में उन्होंने कहा कि अगर प्रमोशन न होता तो लोग उन्हें असल जिंदगी में देख भी नहीं पाते, क्योंकि वे एकांत में रहना पसंद करते हैं। मेरा काम सिर्फ फिल्म को अपना पूरा प्रयास, मेहनत, एकाग्रता और ध्यान देना है। एक बार ये सबकुछ हो जाने पर मेरा काम खत्म हो जाता है। निगेटिव पीआर कंपेन को लेकर नवाज ने कहा कि यह दौर अपने चरम पर है। अभी बहुत कुछ देखना बाकी है और वह भी इसी दौर में होगा। इसलिए यह एक अजीब दुनिया है। मुझे लगता है कि यह कुछ समय तक ऐसे ही रहेगा। उसके बाद कहते हैं कि जब बुरा समय आता है, तो हर चीज के लिए बुरा समय होता है। क्रिएटिविटी के लिए भी बुरा समय है। हर चीज के लिए बुरा। शायद कुछ साल के बाद अच्छा समय आएगा। लोग बिना किसी अर्थहीन नफरत के सही चीजों को पहचानने लगेंगे। कुछ साल बाद लोग खुद ही समझ जाएंगे कि कौन क्या है, क्या सच है, क्या झूठ है? मुझे नहीं पता था कि यह दौर लोगों के लिए इतना घटिया हो जाएगा कि अगर मैं दस लोगों को पैसे दूं और उनसे कहूं कि वह एक अच्छा अभिनेता है, तो लोग इस पर विश्वास करने लगेंगे। उनकी अपनी शिक्षा कहां गई? उनकी समझने की क्षमता कहां चली गई? हां, अगर मैं दस लोगों को पैसे दूं और उनसे कहूं कि आप बहुत अच्छे हैं, तो ग्यारहवां व्यक्ति खुद ही यह कह देगा। मेरे जैसे अभिनेताओं में एक अलग तरह का आत्मविश्वास होता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो नवाजुद्दीन सिद्दीकी जल्द ही आगामी फिल्म मैं एक्टर नहीं हूं में नजर आएंगे। वो आखिरी बार पिछले साल आई फिल्म 'थामा' में नजर आए थे। इस फिल्म में उन्होंने निगेटिव भूमिका निभाई थी।

अजय देवगन ने दी 'गोलमाल 5' की शूटिंग से जुड़ी अपडेट, दिखाई कास्ट की एक झलक

लोकप्रिय फ्रेंचाइजी 'गोलमाल' की पांचवीं फिल्म 'गोलमाल 5' फ्लोर पर लौट चुकी है। फिल्म की शूटिंग चल रही है। अब अजय देवगन ने फिल्म की शूटिंग से जुड़ी नई अपडेट साझा की है। इसके साथ ही अजय देवगन ने फिल्म की कास्ट की एक झलक भी दिखाई है, जिसमें फिल्म के प्रमुख किरदार नजर आ रहे हैं। अजय देवगन ने 'गोलमाल 5' के ऊटी शेड्यूल को लेकर जानकारी साझा की है। अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट की है। इसमें उन्होंने फिल्म की कास्ट की भी झलक दिखलाई है। अजय ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'इस बार सवारी बड़ी है और एंटरटेनमेंट उससे भी ज्यादा बड़ा होगा। गोलमाल 5 का ऊटी शेड्यूल लड़कों के साथ।' अजय की पोस्ट से साफ है कि फिल्म का ऊटी का शेड्यूल शुरू हो चुका है। अजय की इस पोस्ट में अजय के अलावा अरशद वारसी, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े, शरमन जोशी और कुणाल खेमू नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही जैसा अजय देवगन ने संकेत दिया कि इस बार गोलमाल की बाइक और भी बड़ी हो गई है। क्योंकि इस बार शरमन जोशी की फिल्म में पहले सीजन के बाद वापसी हुई है। 14 मार्च को रोहित शेट्टी के जन्मदिन पर मेकर्स ने 'गोलमाल 5' की घोषणा की थी। इसके साथ ही फिल्म का एक टीजर जारी किया गया था, जिसमें फिल्म की पूरी कास्ट नजर आती है। इसके साथ ही मेकर्स ने स्पष्ट किया कि 'गोलमाल 5' में अक्षय कुमार की भी एंट्री हुई है। अक्षय टीजर में बाल्ड लुक में नजर आए। इसके बाद अब फैंस अक्षय को फिल्म में देखने के लिए उत्साहित हैं। अक्षय कुमार के फ्रेंचाइजी से जुड़ने से अब 'गोलमाल 5' को लेकर फैंस का उत्साह और भी बढ़ गया है। 'गोलमाल' फ्रेंचाइजी की शुरुआत साल 2006 में हुई थी। पहली फिल्म गोलमाल फन अनलिमिटेड 2006 को रिलीज हुई थी। दूसरी गोलमाल रिटर्न्स 2008 को रिलीज हुई थी। गोलमाल 3 2010 को आई थी और फ्रेंचाइजी की चौथी किस्त गोलमाल अगेन ने 20 अक्तूबर 2017 को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी।

सुपर कॉप के रोल में फिर तबाही मचाएंगे रणदीप हुड्डा, 'इंस्पेक्टर अविनाश' की टीजर हुआ रिलीज, जानें पूरी जानकारी

रणदीप हुड्डा स्टारर सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' का पहला सीजन 2023 में आया था। इसके बाद से ही फैंस इसके दूसरे पार्ट का इंतजार कर रहे थे। अब मेकर्स ने इसके दूसरे सीजन का टीजर रिलीज कर फैंस की धड़कनें और बढ़ा दी हैं। जानिए सीरीज से जुड़ी पूरी जानकारी। टीजर में रणदीप हुड्डा दबंग इंस्पेक्टर के रूप में नजर आ रहे हैं। कुछ सीन में वे बहरूपिया भी बनते दिखाई दिए हैं। टीजर में काफी दमदार डायलोग्स बताए गए हैं। इनमें से एक है जिसमें रणदीप हुड्डा कहते हैं– 'जिंदगी और मृत्यु के बीच सिर्फ हमारी एक उंगली का फर्क है।' वहीं टीजर में कुछ इंटेंस सीन भी नजर आए हैं, जिनमें एक्टर दमदार एक्शन सीन करते नजर आए हैं। वीडियो के कैप्शन में लिखा– 'यूपी का महाकाल, इस्पेक्टर अविनाश वापस आ रहे हैं। और इस बार होगा असली तांडव।' सीरीज में रणदीप के अलावा उर्वशी रौतेला, रजनीश दुग्गल, अमित सियाल, सरगम सिंह, शालीन भनोट अहम किरदार में नजर आएंगे। सीरीज का निर्देशन नीरज पाठक कर रहे हैं। फिलहाल मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट का खुलासा नहीं किया है। सीरीज पिछले पार्ट से ज्यादा एक्शन पैक और इंटेंस बताई जा रही है। मेकर्स ने सीरीज के दूसरे सीजन 'इंस्पेक्टर अविनाश' का टीजर रिलीज कर दिया है। ये सीरीज हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। जल्द ही ये हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

शिशु को बार-बार बनती है गैस तो अजमाएं ये आसान सी घरेलू उपाय

छोटे शिशु को कई तरह की परेशानियां होती हैं जिसमें से एक मुख्य समस्या है गैस। कई बार शिशु अचानक से रोने लगता है पेरेंट्स को समझ में भी नहीं आता कि वह क्यों रो रहा है। ऐसे में माता–पिता भी घबरा जाते हैं। पेट में दर्द और गैस शिशु को कई कारण से हो सकती है। दूध पीते समय शिशु के पेट में हवा जाने के कारण या फिर ज्यादा मात्रा में दूध पीने से उन्हें यह समस्या हो सकती है। ऐसे में इसके कारण बच्चे बहुत ही परेशान हो जाते हैं। आज आपको कुछ ऐसे घरेलू उपाय बताते हैं जिनके जरिए आप शिशु के पेट में बनने वाली गैस की समस्या को दूर कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में. ...

गैस बनने के कारण

जल्दी–जल्दी दूध पिलाने के कारण दूध आसानी से नहीं पच पाता। इसके अलावा जो शिशु बोतल से दूध पीते हैं उन्हें भी गैस की समस्या हो सकती है। दूध पिलाने के बाद यदि शिशु को डकार न दिलवाया जाए तो भी गैस बनने लगती है। इसके अलावा यदि शिशु ज्यादा मिर्च मसाले वाला खाना खाते हैं तो भी यह समस्या उन्हें परेशान कर सकती है।

ऐसे दिलवाएं समस्या से राहत

जरुर दिलवाएं डकार

जब भी आप शिशु को दूध पिलाएं तो उसे डकार जरुर दिलवाएं। दूध पिलाने के बाद शिशु को अपने कंधे पर लेकर उसकी पीठ को धीरे–धीरे थपथपाएं। इससे उन्हें पेट में गैस नहीं बनेगी और वह समस्या से आसानी से निकल पाएंगे।

करवाएं ये एक्सरसाइज

कई बार शिशु को यदि गैस पास न हो तो भी वह रोने लगते हैं। ऐसे में इस समस्या से उन्हें बचाने के लिए शिशु को पीठ के बल लिटा दें इसके बाद उनके घुटनों को मोड़ते हुए पैरों को उठाएं। इसके बाद उनके पैरों को ऐसे मूव करवाएं जैसे वह साइकिल चला रहे हैं। पैरों को ऐसे चलाने से बच्चों के पेट में फंसी गैस आसानी से बाहर निकलेगी और उन्हें आराम मिलेगा।

हींग आएगी काम

शिशु के पेट में गैस बनने पर आप हींग का इस्तेमाल कर सकते हैं। हींग नानी–दादी के जमाने का आसान नुस्खा है इससे शिशु को गैस से भी आराम मिलेगा। शिशु के पेट के ऊपर हींग को गर्म पानी में मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार कर नाभि के आस–पास लगाएं। इससे उसके पेट की गैस दूर हो जाएगी।

सरसों के तेल से करें पेट की मालिश

शिशु को यदि पेट में बहुत दर्द हो रहा है तो आप सरसों के तेल से उसकी मालिश करें। सरसों के तेल को हल्का गर्म करके उसकी नाभि के आस–पास लगाएं। इस तरह दर्द से उन्हें काफी आराम मिलेगा।

सौंफ

सौंफ भी शिशु को गैस से राहत दिलवाने में मदद करेगी। 1 टेबलस्पूल सौंफ को 1 लीटर पानी के साथ उबाल लें। यह पानी बच्चे को दिन में 2–3 बार दें। समस्या से काफी आराम मिलेगा।

गर्म पानी से करें सिकाई

गर्म पानी से शिशु की सिकाई करने से भी उसे दर्द से काफी आराम मिलेगा। टॉवल को गर्म पानी में भिगोएं और शिशु के पेट में लगाएं। इस प्रक्रिया को 2–3 बार दोहराएं। दर्द से शिशु को आराम मिलेगा।

पेट के बल लिटा दें

यदि शिशु के पेट में गैस बन रही है तो आप उसे पेट के बल लिटा दें। इससे गैस आसानी से निकल जाएगी। 1–2 मिनट तक शिशु को इसी अवस्था में रखें। इससे उसे काफी आराम मिलेगा।

सुंदरता की दुश्मन है सेल्युलाईट स्किन! ये होममेड स्क्रब्स आपकी समस्या का कर सकते हैं हल

महिलाओं को वैसे तो कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है लेकिन सेल्युलाईट एक ऐसी समस्या है जिसके चलते शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है। ज्यादातर महिलाओं के बट, थाइज, आर्म्घ्स या बेली पर सेल्युलाईट नजर आते हैं जो देखने में बिल्कुल भी अच्छे नहीं लगते हैं। ये आपकी त्वचा पर अधिक फैट इकट्ठा हो जाने के कारण नजर आत हैं। दरअसल फैट इकट्ठा होने से त्वचा स्ट्रेच होने लगती हैं, जिससे सेल्युलाईट उभर आते हैं।

महिलाओं को आती है कई परेशानी

सेल्युलाइट अक्सर जांघों और हिप्स पर अधिक देखने को मिलता है, जो महिलाओं की खूबसूरती को तो कम करता ही है साथ ही इससे जल्द छुटकारा भी नहीं मिलता है। इन दिनों बाजार में बहुत सी क्रीम्घ्स और प्रोडक्घ्ट्स उपलब्ध हैं जो सेल्युलाईट को कम करने का दावा करते हैं, लेकिन हम आपको ऐसे घरेलू उपाय बताने जा रहे हैं जिन्हे अजमाकर आप अपनी खोई हुई खूबसूरती को वापस पा सकती हैं।

बेहद असरदार है कॉफी

सेल्युलाइट को खत्म करने के लिए सबसे असरदार है कॉफी। इसमें प्रचुर मात्रा में एंटी–ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, इससे ओवरऑल स्किन–टोन निखरता है। कॉफी स्क्रब से डेड स्किन हटती है और स्किन सॉफ्ट, फ्रेश और निखर कर आती है।

कॉफी स्क्रब बनाने का तरीका

पहले कॉफी बीन्स को गर्म पानी में भिगो लें। इसे क्रश कर के स्क्रब करने जितना पेस्ट बना लें।

ध्यान रहे आप इस्तेमाल किए गए कॉफी बीन्स का इस्तेमाल न करें, क्योंकि उसके तत्व पहले ही खत्म हो जाते हैं।

अगर आपकी ड्राई स्किन है तो इसमें गर्म कर के नारियल का तेल एड कर लें।

इसके पेस्ट का टेक्सचर आप अपने हिसाब से बनाएं जिससे आप अच्छे से स्क्रब कर सकें।

आप चाहें तो इसमें ब्राउन शुगर भी एड कर सकते हैं।

ड्राई ब्रशिंग

शॉवर लेने से पहले मसाज और एक्सफोलिएट के लिए आप ड्राई ब्रशिंग कर सकती है और इसके लिए आपको किसी क्रीम लोशन या स्क्रब की जरूरत नही पड़ेगी बस एक शुष्क ब्रश आपको सेल्युलाईट छुटकारा दिला सकता है।

जैतून का तेल और ग्लिसरीन

इसका पैक बनाने के लिए 2–3 बड़े चम्मच जैतून तेल,1 चम्मच चीनी, विटामिन ई तेल के 2 चम्मच, आधा कप कॉफी और 1 चम्मच ग्लिसरीन का लेकर पेस्ट बना लें। अब इस पैक को सेल्युलाईट क्षेत्रों पर लगाने के लिए पहले गर्म पानी से स्नान करें उसके बाद कुछ–कुछ मिनटों के लिए गोलाकार गति में मालिश करके धो लें। स्क्रब हुई जगह को प्लास्टिक की चादर से कवर कर ले और लगभग 10 मिनट के बाद ही उसको हटाए। कुछ समय बाद असर दिखने लगेगा।

त्वचा को मॉइस्चराइज करें

त्वचा को रोजाना मॉइस्चराइज करें। इससे न केवल त्वचा स्मूथ और जीवित होती है, बल्कि सेल्युलाईट की समस्या से भी छुटकारा मिलता है। इसके लिए आप नारियल तेल का सहारा ले सकते हैं। खासकर शुद्ध नारियल त्वचा के लिए वरदान साबित होता है।

सेब का सिरका

सेब का सिरका त्वचा में फंसे टॉक्सिन को निकालकर सेल्युलाइट स्किन को कम करने में मदद करता है। साथ ही इससे सूजन भी कम होती है। इसके लिए पानी और सेब के सिरके को बराबर मात्रा में मिलाकर लगाएं। इसके अलावा इसमें शहद मिलाकर पीने से भी सेल्यूलाइट को कम होती है।

डाईट में करे बदलाव

सेल्युलाईट का सबसे बड़ा कारण हार्मोन वृद्धि हो सकता है। तनाव होना, अधिक वजन भी सेल्युलाईट की समस्या को जन्म देता है। अगर आप भी इस परेशानी से जल्द छुटकारा पाना चाहते है तो आज से अपनी डाइट में इन चीजों को एड करना शुरू कर दें।

1. ब्लूबेरी

अगर आप सेल्युलाईट जैसी समस्या का समाधान चाहते हैं तो आज से अपनी डाइट में ब्लूबेरी को एड कर दें। ब्लूबेरी में एंटीऑक्सिडेंट होते हैं जो इस बीमारी से लड़ने में कारगर होते हैं। इसके अलावा ब्लूबेरी में विटामिन–सी भी पाया जाता है जिससे आपकी स्किन को बहुत से फायदे मिलते हैं इससे स्किन स्ट्रोंग होती है और इससे सेल्युलाईट की समस्या भी कम होती है।

2. पपीता

पपीते में भरपूर पोटेशियम होता है जो इसके सेवन से भी आपको इस समस्या से छुटकारा मिल सकता है। इसलिए अपनी

डाइट में पपीते को जरूर एड करें।

3. सतावर

आप अपनी डाइट में सतावर को भी एड करें इसे शतावरी भी कहते हैं। इसमें भरपूर फॉलिक एसिड होता है जिससे ये आपके शरीर के स्ट्रेस को कम करता है। इससे आपकी बॉडी में सर्कूलेशन तेज होता है।

4. केला

सेल्युलाईट की समस्या को कम करने में केला भी काफी कारगर है। आप ये तो जानते ही हैं कि केले में पोटेशियम होता है जो कि सेल्युलाईट की समस्या को कम करने में मदद करता है।

5. अनानास

अनानास शरीर में जल जमाव से बचने में मदद करता है, आपके शरीर को जहरीले पदार्थों से छुटकारा दिलाता है। इसमें विटामिन सी भी होता है और यह वजन कम करने में आपकी सहायता करता है।

इन बातों का भी रखें ख्याल

नियमित एक्सरसाइज करें

नियमित रूप से एक्सरसाइज करने से फैट जलता है और सेल्युलाइट के उभार में कमी आती है।

खूब पानी पिएं

पानी पीने से शरीर की कई समस्याएं कम होती हैं। अधिक पानी पीने से सर्कुलेशन अच्छा होता है, सूजन कम होती है और आपकी त्वचा स्मूद होती है।

चीनी का परहेज करें

अपने आहार में चीनी का प्रयोग कम से कम करें, क्योंकि चीनी से शरीर में इंसुलिन बनता है, जो फैट को स्टोर करने के साथ–साथ सेल्युलाइट बनाने का काम भी करती है।

इस विटामिन की कमी से हाथ-पैर में झुनझुनाहट होती है! समय रहते हो जाएं सतर्क

हमारा शरीर छोटी–छोटी परेशानियों के जरिए हमें अंदर की कमी या गड़बड़ी के संकेत देता है। हाथ–पैर में झुनझुनाहट, सुन्नपन या हल्की जलन भी ऐसा ही एक संकेत है, जिसे अक्सर लोग थकान या गलत तरीके से बैठने का असर मानकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन अगर यह समस्या बार–बार होने लगे, तो यह किसी विटामिन की कमी का इशारा हो सकता है। ऐसे में चलिए आपको आज बताते हैं इस आर्टिकल में की आखिर किस विटामिन की कमी से हमारे हाथों पैरों में झुनझुनाहट होती है।

विटामिन बी12 की कमी बन सकती है वजह

डॉक्टरों के मुताबिक, हाथ–पैर में लगातार झुनझुनाहट का सबसे आम कारण विटामिन बी12 की कमी होती है। यह विटामिन हमारे नर्वस सिस्टम के सही कामकाज के लिए बेहद जरूरी होता है। इसकी कमी होने पर नसें कमजोर होने लगती हैं, जिससे सुन्नपन, झनझनाहट और कमजोरी जैसी समस्याएं सामने आती हैं। लंबे समय तक इसे नजरअंदाज करने पर नर्व डैमेज का खतरा भी बढ़ सकता है।

सिर्फ गलत बैठने की आदत नहीं, हो सकती है बड़ी समस्या

कई बार लोग लंबे समय तक एक ही पोजीशन में बैठने से होने वाली झुनझुनाहट को सामान्य मान लेते हैं। लेकिन अगर यह समस्या बिना किसी वजह के बार–बार हो रही है, तो यह शरीर का चेतावनी संकेत है। ऐसे में इसे हल्के में लेना सही नहीं है। नर्व्स को स्वस्थ रखने के लिए सही पोषण बहुत जरूरी होता है। विटामिन बी12 का सक्रिय रूप मेथाइलकोबालामिन नसों की सुरक्षा करने वाली परत (मायेलिन शीथ) को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है। यही परत नसों के सिग्नल को सही तरीके से आगे बढ़ाने का काम करती है। इसकी कमी होने पर नसों का काम प्रभावित हो सकता है।

बी–कॉम्प्लेक्स विटामिन्स का अहम रोल

विटामिन बी12 के साथ–साथ बी6, बी1, बी2, बी3 और बी5 भी नर्व हेल्थ के लिए जरूरी होते हैं। ये सभी मिलकर नसों को मजबूत बनाने और झुनझुनाहट व कमजोरी जैसी समस्याओं को कम करने में मदद करते हैं। कई बार डॉक्टर जरूरत के अनुसार बी–कॉम्प्लेक्स सप्लीमेंट लेने की सलाह देते हैं।

लक्षणों से राहत के लिए क्या करें

जिन लोगों को यह समस्या ज्यादा रहती है, उन्हें सही इलाज की जरूरत होती है। इसके अलावा, हाथ–पैर में दर्द या जलन से राहत के लिए कैप्साइसिन, मेंथॉल, यूकेलिप्टस और कपूर वाली क्रीम का इस्तेमाल भी फायदेमंद हो सकता है। हालांकि, किसी भी दवा या सप्लीमेंट को लेने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए।

किन लोगों को ज्यादा खतरा होता है

जो लोग लंबे समय तक यात्रा करते हैं, ज्यादा शारीरिक मेहनत करते हैं या जिनका खानपान संतुलित नहीं होता, उनमें यह समस्या ज्यादा देखने को मिलती है। इसके अलावा, उम्र बढ़ने के साथ भी विटामिन बी12 की कमी का खतरा बढ़ जाता है शरीर के संकेतों को समझना बेहद जरूरी है। अगर झुनझुनाहट या सुन्नपन लंबे समय तक बना रहता है, तो इसे नजरअंदाज न करें। सही समय पर जांच और इलाज करवाकर आप बड़ी समस्या से बच सकते हैं।

वैभव सूर्यवंशी पर पाकिस्तान से आई प्रतिक्रिया

कराची,एजेंसी। आईपीएल 2026 में 15 साल के लड़के वैभव सूर्यवंशी ने धमाल मचाया हुआ है। पिछले सीजन की तरह इस सीजन भी वैभव एक शतक लगा चुके हैं। उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 37 गेंद में पांच चौके और 12 छक्के की मदद से 103 रन की पारी खेली। इस बल्लेबाज का हर कोई फैन बन चुका है और खुद विश्वकप विजेता कप्तान पैट कमिंस भी उनकी तारीफ कर चुके हैं। अब वैभव को लेकर पाकिस्तान से भी प्रतिक्रिया आई है। क्रिकेट पंडित नौमान नियाज ने कहा है कि इस 15 वर्षीय बल्लेबाज की किसी लैब में जांच करानी चाहिए। वैभव इस सीजन अब तक आठ पारियों में 44.62 की औसत और 234.87 के स्ट्राइक रेट से 357 रन बना चुके हैं। इनमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। वह फिलहाल ऑरेंज कैप की रेस में संयुक्त रूप से केएल राहुल के साथ दूसरे स्थान पर हैं। पहले स्थान पर 380 रन के साथ अभिषेक शर्मा हैं। वैभव की बल्लेबाजी इतनी दमदार और प्रभावशाली रही है कि लोग कह रहे हैं कि उनकी बल्लेबाजी किसी वीडियो गेम की तरह है, गेंद आई और छक्के के लिए गई। यूट्यूब पर एक शो के दौरान क्रिकेट एक्सपर्ट नौमान नियाज ने मजाकिया अंदाज में कहा कि राजस्थान रॉयल्स के इस ओपनिंग बैटर के बल्ले में कोई एआई चिप इंस्टाल है और इसी वजह से वह इतनी आसानी से छक्के लगा पा रहे हैं। इस वीडियो को एक सोशल मीडिया यूजर ने ट्विटर पर शेयर किया है।

नियाज वीडियो में कहते हैं, क्या लड़का है! जैसे वाडा डोपिंग को लेकर जांच करता है, वैभव को भी किसी लैब में भेजना चाहिए। उनमें जरूर कोई न कोई एआई चिप इंस्टाल है। यार, वह तो बिल्कुल ही कमाल का है। मुझे उनसे काफी उम्मीदें हैं। क्या खिलाड़ी हैं वैभव सूर्यवंशी। नियाज ने हैरानी जताते हुए कहा, मुझे लगता है उसने थोड़ा धीमा खेला। उसका स्ट्राइक रेट 300 होना चाहिए था। नियाज ने वैभव के भविष्य को लेकर समझाते हुए कहा, श्ठीक है, मेडिकल तौर पर देखें तो 18 साल की उम्र में शरीर पूरी तरह विकसित होना शुरू करता है। इस उम्र में कंधे शेप लेते हैं, मसल्स बनते हैं... ट्राइसेप्स, बाइसेप्स और कोर स्ट्रेंथ मजबूत होती है क्योंकि यह पीक ग्रोथ और हार्मोन, खासकर टेस्टोस्टेरोन का समय होता है। नियाज ने यह भी संकेत दिया कि आने वाले वर्षों में सूर्यवंशी की ताकत और खेल और भी निखर सकता है।

पाकिस्तानी क्रिकेट विशेषज्ञ ने वैभव सूर्यवंशी की उन खास खूबियों पर भी बात की, जो उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाती हैं। उन्होंने कहा, श्वह सिर्फ 15 साल का है। जब वह पैदा हुआ था, उससे पहले विराट कोहली वर्ल्ड चौंपियन बन चुके थे। वैभव में क्या खास है? मैंने समझने की कोशिश की कि आखिर यह अंतर क्यों है। ठीक है, वैभव के पास भले ही बहुत ज्यादा तकनीक नहीं है, लेकिन जितनी है उतनी काफी है। वैभव की ताकत नहीं, बल्कि उनकी तकनीक ही उन्हें इतना खास बनाती है। नियाज ने आगे बताया कि उनकी कलाई का इस्तेमाल और शॉट का आर्क उन्हें बेहद खतरनाक बनाता है।

पीएसएल के प्लेऑफ में दो विदेशी और दो पाक कप्तान कौन ?

बाबर-शादाब के बीच सीधे फाइनल में पहुंचने की जंग

लाहौर,एजेंसी। पाकिस्तान सुपर लीग 2026 धीरे–धीरे अपने अंजाम तक पहुंच रहा है। लीग की चार प्लेऑफ की टीमें तय हो चुकी हैं। इस बार पीएसएल के प्लेऑफ में पहुंचने वाली चार टीमों में से दो के कप्तान विदेशी हैं, जबकि दो के कप्तान पाकिस्तानी हैं। हालांकि, इसमें सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि मार्नस लाबुशेन की कप्तानी वाली टीम भी प्लेऑफ में पहुंच गई है। लाबुशेन टेस्ट और वनडे के खिलाड़ी माने जाते हैं। इसके अलावा तीन अन्य कप्तान हैं– बाबर आजम, शादाब खान और एश्टन टर्नर। टर्नर और लाबुशेन ऑस्ट्रेलियाई हैं। बाबर आजम की कप्तानी वाली पेशावर जाल्मी टीम 10 मैचों में आठ जीत और एक हार के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर रही। एक मैच बेनतीजा रहा और अंक 17 रहे। दूसरे स्थान पर शादाब खान की अगुआई वाली इस्लामाबाद यूनाइटेड की टीम रही। उसने 10 मैचों में से छह मैच जीते और तीन में हार का सामना करना पड़ा। एक मैच बेनतीजा रहा। टीम के पास 13 अंक हैं। तीसरे स्थान पर एश्टन टर्नर की अगुआई वाली मुल्तान सुल्तांस की टीम रही। उसने 10 मैचों में से छह मैच जीते और चार गंवाए। टीम के अंक 12 रहे। चौथे स्थान पर मार्नस लाबुशेन की अगुआई वाली हैदराबाद किंग्स की टीम रही। उसने 10 में से पांच मैच जीते और पांच में उन्हें हार मिली। 10 अंक के साथ टीम ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया। शाहीन अफरीदी की अगुआई वाली लाहौर कलंदर्स पांचवें, डेविड वॉर्नर की अगुआई वाली कराची किंग्स छठे, सऊद शकील की अगुआई वाली क्वेटा ग्लैडिएटर्स सातवें और मोहम्मद रिजवान की अगुआई वाली रावलपिंडीज टीम आठवें स्थान पर रही। सलमान आगा को कप्तानी नहीं दी गई थी। वह वॉर्नर की अगुआई वाली कराची किंग्स टीम में शामिल थे। हालांकि, प्लेऑफ में अपनी टीम को नहीं पहुंचा सके। पाकिस्तान के बड़े खिलाड़ियों में, जिन्हें प्लेऑफ में खेलते नहीं देख सकेंगे, उनमें अबरार अहमद, उस्मान तारिक (दोनों क्वेटा ग्लैडिएटर्स), मोहम्मद आमिर, नसीम शाह (दोनों रावलपिंडीज), फखर जमां, अब्दुल्लाह शफीद, आसिफ अली, हारिस रऊफ (चारों लाहौर कलंदर्स), खुशदिल शाह, हसन अली, आजम खान और अब्बास अफरीदी (चारों कराची किंग्स) शामिल हैं। 28 अप्रैल को क्वालिफायर–1 खेला जाएगा। वहीं, 29 अप्रैल को मुल्तान सुल्तांस और हैदराबाद किंग्समेन के बीच एलिमिनेटर–1 खेला जाएगा। क्वालिफायर–1 में बाबर की पेशावर जाल्मी का सामना शादाब की इस्लामाबाद यूनाइटेड से होगा। इसमें जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में जाएगी, जबकि हारने वाली टीम एलिमिनेटर–2 खेलेगी। एलिमिनेटर–1 में तीसरे स्थान पर रहने वाली मुल्तान और चौथे स्थान पर रहने वाली हैदराबाद खेलेगी। इसमें जीतने वाली टीम क्वालिफायर–1 हारने वाली टीम के साथ एलिमिनेटर–2 खेलेगी। वहीं, हारने वाली टीम बाहर हो जाएगी। एलिमिनेटर–2 एक मई को खेला जाएगा। फाइनल मुकाबला तीन मई को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में होगा।

सक्षिप्त

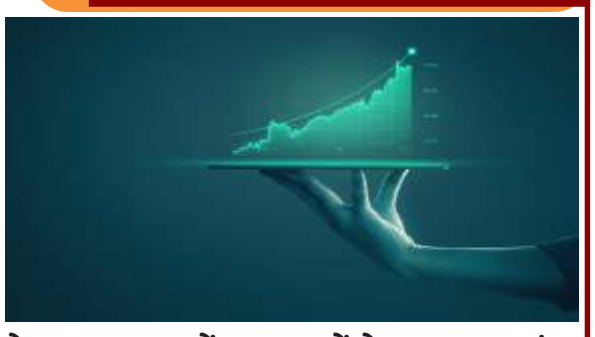

शेयर बाजार में बढ़त, सेंसेक्स 639 अंक चढ़ा, निफ्टी 24000 के पार

नई दिल्ली,एजेंसी। शेयर बाजार में लगातार तीन दिनों से जारी गिरावट पर सोमवार को विराम लगा। हफ्ते के पहले करोबारी दिन सेंसेक्स 639 अंक ऊपर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 24,050 के पर पहुंच गया। आरआईएल और विप्रो के शेयरों में 3ः का उछाल दिखा। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च प्रमुख विनोद नायर के अनुसार, अमेरिका–ईरान वार्ता फिर से शुरू होने की उम्मीद और चौथी तिमाहीके शानदार कॉर्पोरेट नतीजों ने शेयर बाजार में निवेशकों का भरोसा काफी बढ़ाया है। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतें अभी भी 100 डॉलर प्रति बैरल के पार हैं और बाजार होर्मुज जलडमरूमध्य के खुलने की संभावनाओं पर नजर बनाए हुए है, लेकिन बैंकिंग, एफएमसीजी, कैपिटल गुड्स और मैन्युफैक्चरिंग जैसे घरेलू मांग वाले सेक्टर्स ने बाजार की रिकवरी में अहम भूमिका निभाई है। वहीं, कमजोर वित्तीय नतीजों के बावजूद आईटी सेक्टर अपने आकर्षक वैल्युएशन और लंबी अवधि के निवेश के नजरिए से निवेशकों को लगातार लुभा रहा है। आगे चलकर बाजार के लिए महंगाई एक बड़ा जोखिम बनी हुई है, जिसके चलते निवेशकों की पैनी नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आगामी ब्याज दर नीति और उसके भविष्य के रुख पर टिकी होगी।

क्रेडिट कार्ड से कैश निकालना पड़ सकता है महंगा, भारी ब्याज से बिगड़ सकता है बजट

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय मध्यम वर्ग के बटुए में अब क्रेडिट कार्ड सिर्फ एक प्लास्टिक मनी नहीं, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। आरबीआई के ताजा आंकड़े इसकी तस्दीक करते हैं। फरवरी 2025 में जहां क्रेडिट कार्ड से खर्च 1.68 लाख करोड़ रुपये था, वहीं फरवरी 2026 में यह 6प्रतिशत बढ़कर 1.78 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। हालांकि, दिसंबर 2025 के 2.05 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले इसमें कुछ गिरावट देखी गई है, लेकिन कार्ड का बढ़ता चलन साफ है। क्रेडिट कार्ड हमें अभी खरीदें, बाद में भुगतान करें की आजादी तो देता है, लेकिन इस चमक–दमक के बीच एक ऐसा कदम है, जो आपके वित्तीय स्वास्थ्य को गंभीर रूप से बीमार कर सकता है और वह है क्रेडिट कार्ड से नकद निकासी। फरवरी 2026 के आंकड़ों पर नजर डालें तो चै और ई–कॉमर्स के जरिए लेनदेन का हिस्सा सबसे बड़ा है, लेकिन एक बड़ी राशि श्कैश विड्रॉलश के रूप में भी निकाली गई है। लोग अक्सर आपात स्थिति में या छोटे खर्चों के लिए एटीएम से क्रेडिट कार्ड डालकर पैसे निकाल लेते हैं। फरवरी 2026 में 364.26 करोड़ रुपये निकाले गए, दिसंबर 2025 में क्रेडिट कार्ड से कैश विड्रॉल का यह आंकड़ा 393.14 करोड़ रुपये था। सुनने में यह एक सुविधा लगती है, लेकिन असल में यह आपकी जेब पर पड़ने वाला सबसे महंगा बोझ है। भारी–भरकम ब्याज दररू जब आप क्रेडिट कार्ड से खरीदारी करते हैं, तो आपको 45–50 दिनों का ब्याज मुक्त समय मिलता है। लेकिन नकद निकासी के मामले में यह नियम लागू नहीं होता। जिस क्षण आप एटीएम से कैश निकालते हैं, उसी दिन से ब्याज शुरू हो जाता है। ब्याज दर सालाना 36प्रतिशत से 48प्रतिशत तक हो सकती है।

सोने–चांदी के बाहर भी है ईटीएफ की दुनिया, बैंकिंग से लेकर विदेशी बाजार में निवेश का मौका

नई दिल्ली,एजेंसी। झांसी में रहने वाले अरविंद पिछले कुछ दिनों से थोड़े उदास हैं। जब भी वे समाचार देखते कि पिछले एक साल में सोने ने 56ः और चांदी ने 155ः का रिटर्न दिया, तो उन्हें लगता कि ईटीएफ में निवेश का मौका गंवा दिया। ईटीएफ की दुनिया अब केवल सोने–चांदी तक सीमित नहीं है। ईटीएफ यानी एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स अब निवेश की वह मल्टी–कुजीन थाली बन गई है, जहां आपकी पसंद का हर जायका मौजूद है, चाहे फिर वह बैंकिंग हो, आईटी हो, सरकारी बॉन्ड हो या फिर अमेरिकी शेयर बाजार। भारतीय निवेशकों के बीच पैसिव निवेश की समझ बढ़ रही है। यही वजह है कि वित्त वर्ष 2025–26 में ईटीएफ में निवेश पिछले वित्त वर्ष 2024–25 की तुलना में 94प्रतिशत बढ़ा है। वित्त वर्ष 2025–26 में गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ में सबसे ज्यादा निवेश आया। गोल्ड ईटीएफ में निवेश लगभग 350ः बढ़ा, वहीं चांदी में यह बढ़त 296ः रही। इसकी वजह साफ है, ऊंची रिटर्न। ऐसा बिल्कुल नहीं है कि केवल सोने और चांदी के ईटीएफ ने ही निवेशकों की झोली भरी है। यहां ऐसे भी ईटीएफ हैं, जिन्होंने पिछले 3 साल में 250 फीसद तक का रिटर्न दिया है।

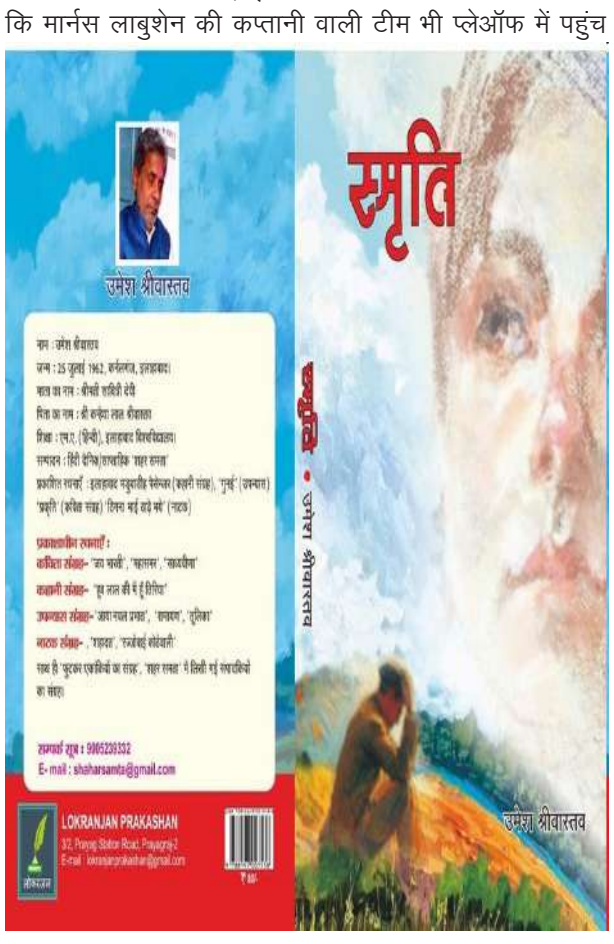

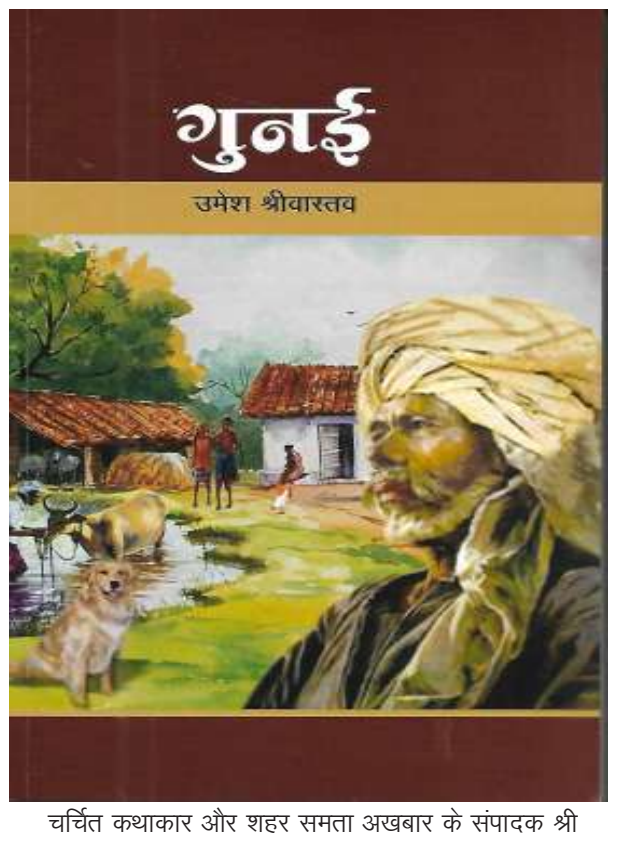

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

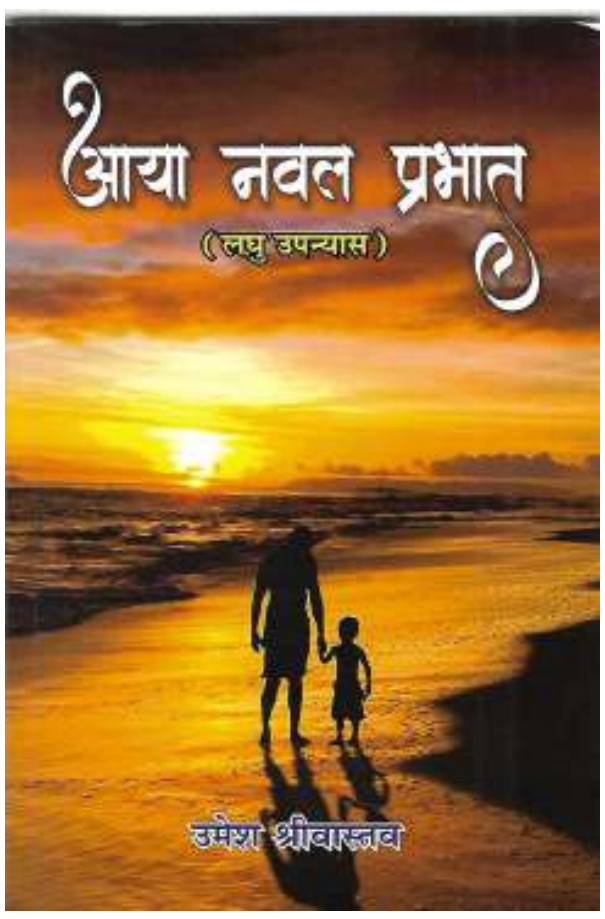

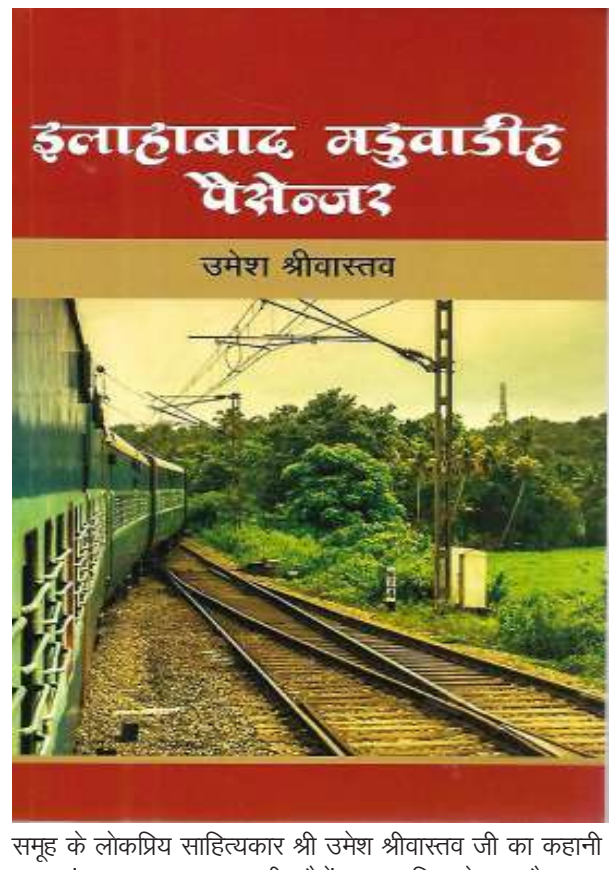

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

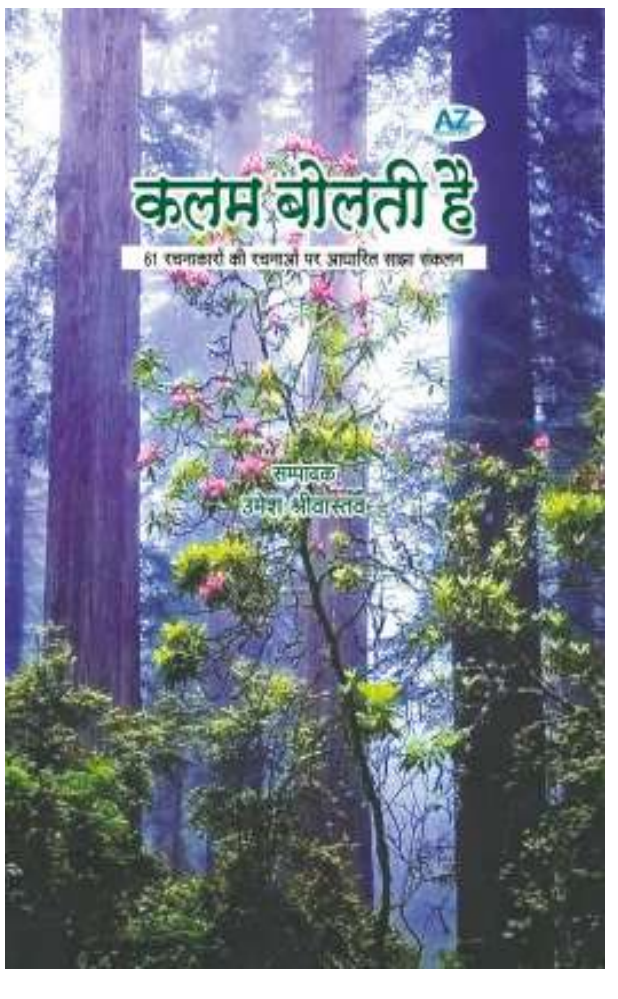

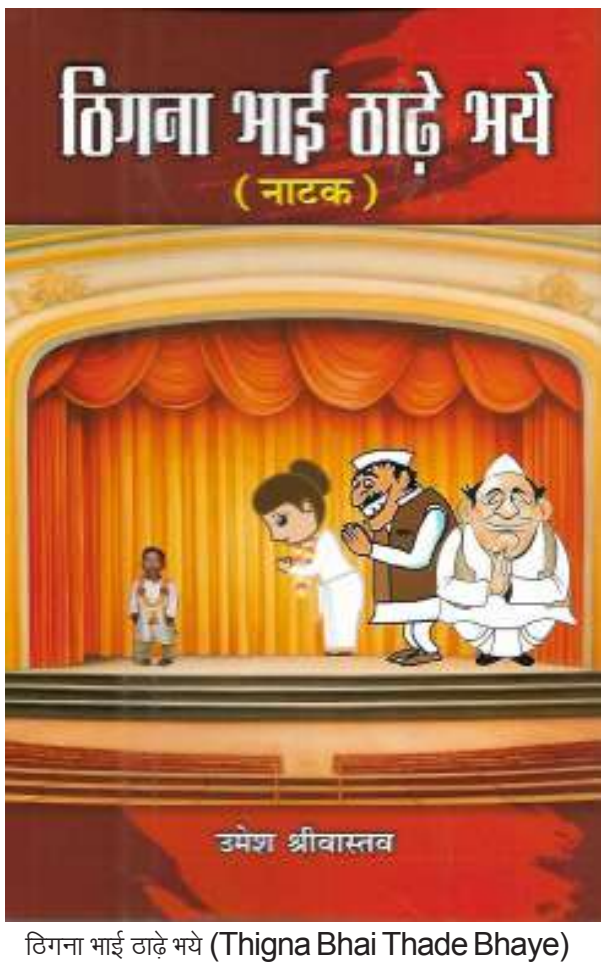

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

कनाडा में सिख बुजुर्ग पर हमला, आरोपी ने कहा- मेरे देश से निकल जाओ, घृणा अपराध की जांच शुरू

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के ओंटारियो प्रांत के वुडस्टॉक शहर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक बुजुर्ग सिख व्यक्ति पर नस्लीय टिप्पणी के साथ हमला

किया गया। आरोपी युवक ने पीड़ित को धक्का दिया और चिल्लाते हुए कहा श्मेरे देश से निकल जाओ।श पुलिस ने इस घटना को नफरत–आधारित अपराध मानते हुए जांच शुरू कर दी है। सड़क पर चल रहे बुजुर्ग को बनाया निशाना वुडस्टॉक पुलिस के अनुसार, यह घटना 22 अप्रैल की है। जब सिख बुजुर्ग फुटपाथ पर चल रहे थे, तभी एक युवक ने उन्हें बिना किसी उकसावे के रोककर धक्का दे दिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने केवल हमला ही नहीं किया, बल्कि पीड़ित की जातीय पहचान को लेकर आपत्तिजनक और नस्लीय टिप्पणियां भी कीं। हालांकि, इस हमले में बुजुर्ग को गंभीर शारीरिक चोट नहीं आई। स्कूल परिसर तक पहुंचा आरोपी जांच में यह भी सामने आया कि घटना के बाद आरोपी युवक ने पास के टर्टल आइलैंड स्कूल की बाउंड्री फांदकर परिसर में प्रवेश किया और फिर वहां से बाहर निकल गया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि इस दौरान किसी छात्र को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। पुलिस के अनुसार, सोशल मीडिया पर इस घटना के वीडियो भी वायरल हो रहे हैं, जिनमें आरोपी को बार–बार नस्लीय अपशब्द कहते सुना जा सकता है, जैसे– श्तुम मेरे देश में क्या कर रहे हो?श श्यहां से निकल जाओ।श आरोपी गिरफ्तार, हिरासत में भेजा गया वुडस्टॉक पुलिस ने बताया कि जांच पूरी होने के बाद आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे जमानत सुनवाई के लिए हिरासत में रखा गया है। पुलिस ने कहा हमारे समुदाय में नफरत के लिए कोई जगह नहीं है। ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। सिख संगठन ने जताई चिंता वर्ल्ड सिख ऑर्गनाइजेशन (WSO) ने इस घटना पर गहरी चिंता जताई है। संगठन ने इसे अस्वीकार्य बताया और वुडस्टॉक पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की। डब्ल्यूएसओ ने कहा कि यह घटना किसी अकेली नहीं है, बल्कि सिख समुदाय के खिलाफ बढ़ते नफरत अपराधों के एक बड़े पैटर्न का हिस्सा है।

पत्रकार पर भड़के ट्रंप: टॉमस के आरोप पर सवाल सुनकर बोले- हमलावर मानसिक रोगी, उसकी बात पढ़ने पर शर्म आनी चाहिए

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक टीवी इंटरव्यू के दौरान पत्रकार से तीखा विवाद हो गया। यह टकराव उस समय हुआ जब उनसे वाशिंगटन हिल्टन में आयोजित व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान हुई गोलीबारी और आरोपी कोल टॉमस एलन के कथित घोषणापत्र (मैनिफेस्टो) को लेकर सवाल पूछा गया। इंटरव्यू के दौरान पत्रकार नोराह ओश्डोनेल ने संदिग्ध हमलावर द्वारा कथित रूप से लिखे गए दस्तावेज के कुछ अंश पढ़कर सुनाए। दस्तावेज में प्रशासनिक अधिकारियों को निशाना बताए जाने का दावा किया गया था। साथ ही उसमें श्बाल यौन शोषण करने वाला, दुष्कर्मी और देशद्रोहीश जैसे शब्द भी लिखे होने की बात कही गई। इस पर ट्रंप नाराज हो गए और उन्होंने पत्रकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मैं इंतजार कर रहा था कि आप यह पढ़ें, क्योंकि आप लोग बहुत खराब हैं। उन्होंने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि मैं दुष्कर्मी नहीं हूं... मैंने किसी के साथ ऐसा कुछ नहीं किया। जब उनसे पूछा गया कि क्या दस्तावेज में लिखी बातें उनके लिए थीं, तो ट्रंप ने बीच में रोकते हुए कहा, मैं बच्चों का यौन शोषण करने वाला नहीं हूं... आप किसी मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति की लिखी बात पढ़ रही हैं? मुझे पूरी तरह निर्दोष साबित किया जा चुका है।

इस्राइल के पूर्व पीएम नेफ्ताली बेनेट और येर लैपिड की पार्टियों का विलय, नेतन्याहू की बढ़ेंगी मुश्किलें

तेल अवीव , एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पहले ही ईरान युद्ध के चलते लोगों की आलोचना झेल रहे हैं। अब नेतन्याहू की परेशानी ओर बढ़ने वाली है। दरअसल इस्राइल के पूर्व पीएम नेफ्ताली बेनेट और येर लैपिड की राजनीतिक पार्टियों का विलय हो गया है। दोनों ने मिलकर श्न्यू टुगेदरश नाम से नई पार्टी बनाई है, जिसका नेतृत्व नेफ्ताली बेनेट करेंगे। शनिवार को दोनों नेताओं ने किया विलय का एलान यरूशलम पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों नेताओं ने शनिवार को अपनी–अपनी पार्टियों येस एटिड और बेनेट 2026 के विलय का एलान किया। इस्राइल में आगामी अक्तूबर तक आम चुनाव होने हैं। ऐसे में न्यू टुगेदर के बैनर तले ही दोनों पार्टियों के नेता चुनाव लड़ेंगे। इस विलय से विपक्षी गुट को मजबूती मिलने की उम्मीद है और इससे इस्राइल के राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव की उम्मीद की जा रही है। पूर्व पीएम नेफ्ताली बेनेट ने इसे ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा, मैं अपने देश के लिए अब तक का सबसे देशभक्तिपूर्व और यहूदीवादी कदम उठा रहा हूं। उन्होंने कहा कि यह एकता विभाजन के युग का अंत है। येर लैपिड ने भी मतदाताओं से नई पार्टी का समर्थन करने की अपील की।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

पाकिस्तान की मध्यस्थता पर सवाल: वार्ता पर संशय के बीच ईरानी सांसद का दावा- अमेरिका कभी भी शुरू कर सकता है जंग

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव को लेकर हालात लगातार गंभीर होते नजर आ रहे हैं। बातचीत को लेकर अनिश्चितता के बीच अब ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि स्थिति कभी भी टकराव में बदल सकती है। ईरान के सांसद अली खेजरियन ने दावा किया है कि अमेरिका किसी भी समय ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू कर सकता है। उन्होंने पहले भी कहा था कि दोनों देशों के बीच युद्ध होना तय है। हालांकि, इस पूरे मामले पर अभी तक ईरान सरकार या अमेरिका की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक बयान भी चर्चा में है। खबरों के मुताबिक, उन्होंने तेल पाइपलाइन को लेकर कड़ा रुख दिखाया है और धमकी भरे संकेत दिए हैं। हालांकि, यह साफ नहीं है कि यह बयान मौजूदा हालात से सीधे तौर पर जुड़ा है या नहीं। इसके अलावा ईरान के दशतेस्तान से सांसद इब्राहिम रेजाई ने पाकिस्तान को अमेरिका और ईरान के शांति वार्ता में अच्छा मध्यस्थ (मीडिएटर) नहीं माना है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पाकिस्तान भले ही ईरान का अच्छा दोस्त और पड़ोसी देश है, लेकिन वह बातचीत के लिए सही मध्यस्थ (मीडिएटर) नहीं है। रेजाई ने साफ कहा कि पाकिस्तान में निष्पक्ष मध्यस्थता के लिए जरूरी भरोसा और साख की कमी है। उनका आरोप है कि पाकिस्तान हमेशा डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिका के हितों को ध्यान में रखता है और कभी भी उनके खिलाफ खुलकर कुछ नहीं कहता। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पाकिस्तान दुनिया को यह बताने के लिए तैयार नहीं है कि अमेरिका ने पहले उसके प्रस्ताव को मान लिया था, लेकिन बाद में अपनी बात से पीछे हट गया। इसके अलावा, रेजाई ने कहा कि अमेरिका ने लेबनान से जुड़े मुद्दों और रोकी गई संपत्तियों को लेकर भी कुछ वादे किए थे, जिन्हें पूरा नहीं किया गया। ईरानी सांसद ने यह भी कहा कि किसी भी मध्यस्थ के लिए सबसे जरूरी है कि वह पूरी तरह निष्पक्ष रहे। लेकिन उनके मुताबिक, पाकिस्तान हमेशा एक ही पक्ष की तरफ झुका रहता है, जो उसे इस भूमिका के लिए कमजोर बनाता है। एक तरफ वार्ता पर संशय जारी है। दूसरी ओर इस्राइल इस युद्ध को फिर से शुरू करने की बात कर रहा है। ऐसे में अब ईरानी सांसद खेजरियान ने आरोप लगाया है कि इस्राइल के प्रभाव में आकर अमेरिका ईरान पर हमला कर सकता है। उनका कहना है कि क्षेत्र में अमेरिकी सेना की बढ़ती तैनाती इस बात का संकेत है कि हमला किसी भी समय हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के फैसलों में इस्राइल का असर दिखाई देता है। इसके साथ ही खेजरियान ने पहले यह भी दावा किया था कि ईरान ने वॉशिंगटन के साथ सभी बातचीत रोक दी है। हालांकि, इस पर भी अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। दूसरी तरफ, डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी कहा है कि अमेरिका और ईरान के अधिकारी फोन पर बातचीत करके इस विवाद का शांतिपूर्ण समाधान निकाल सकते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के पास बातचीत के सभी विकल्प खुले हैं। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि हालिया तनाव और हमलों के दौरान ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों को काफी नुकसान पहुंचाया है। कहा जा रहा है कि इस नुकसान की कीमत अरबों डॉलर में हो सकती है।

ताइवान के पास चीन की सैन्य गतिविधि तेज, टेक्सास में आए बवंडर से दो लोगों की मौत, कई घर तबाह

वॉशिंगटन, एजेंसी। शिकागो के एक अस्पताल में इलाज के लिए लाए गए एक अपराधी ने पुलिस पर गोलियां चला दीं। इस हमले में 38 साल के पुलिस अधिकारी जॉन बार्थोलोम्यू की मौत हो गई। जॉन 10 साल से पुलिस सेवा में थे। शनिवार दोपहर करीब एक बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। इस गोलीबारी में एक और पुलिस अधिकारी घायल हुए हैं। उनकी उम्र 57 साल है और वे 21 साल से पुलिस में हैं। उनकी हालत बेहद नाजुक है और वे अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी को लूट के शक में गिरफ्तार किया गया था। उसे जांच के लिए एंडेवर हेल्थ स्वीडिश अस्पताल लाया गया था। हमले के बाद आरोपी अस्पताल से भाग निकला। सीसीटीवी फुटेज में वह बिना कपड़ों के भागता हुआ दिखा और उसके सीने पर मेडिकल इलेक्ट्रोड लगे थे। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि आरोपी को नियमों के तहत चेक किया गया था और पुलिस हर समय उसके साथ थी। पुलिस अधीक्षक लैरी स्नेलिंग ने बताया कि जांच के दौरान तीन हथियार बरामद हुए हैं। अभी यह साफ नहीं है कि आरोपी के पास बंदूक कहां से आई। पुलिस ने अभी तक आरोपी और घायल अधिकारी के नाम का खुलासा नहीं किया है। ताइवान के पास चीन की सैन्य गतिविधि तेज ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को जानकारी दी कि उसके आसपास चीन की सैन्य गतिविधियों में बढ़ोतरी देखी गई है। मंत्रालय के अनुसार सुबह 6 बजे (स्थानीय समय) तक चीन के 7 सैन्य विमानों की उड़ानें और 9 नौसैनिक जहाज ताइवान के आसपास सक्रिय पाए गए। इनमें से 7 में से 6 विमान ताइवान के उत्तरी और दक्षिण–पश्चिमी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (।क्र्) में प्रवेश कर चुके थे। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि देश की सशस्त्र सेनाएं स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं और आवश्यक जवाबी कार्रवाई की जा रही है। इससे पहले रविवार को भी इसी तरह की गतिविधि दर्ज की गई थी, जब चीन के 28 सैन्य विमान और 8 नौसैनिक जहाज ताइवान के आसपास देखे गए थे। इनमें से 18 विमान ताइवान के उत्तरी, मध्य और दक्षिण–पश्चिमी ।क्र् में प्रवेश कर चुके थे। ताइवान लगातार चीन की इन बढ़ती सैन्य गतिविधियों पर निगरानी रख रहा है और सुरक्षा स्थिति को लेकर सतर्क बना हुआ है। विद्रोहियों के हमले में माली के रक्षा मंत्री की मौत माली के रक्षा मंत्री जनरल सादियो कमारा की शनिवार को एक हमले में मौत हो गई। सैन्य अधिकारियों और अन्य सूत्रों ने रविवार को इस खबर की जानकारी दी। विद्रोहियों ने उनके घर को निशाना बनाकर यह हमला किया था। हालांकि, माली की सरकार ने अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। इस हमले के दौरान जिहादियों और विद्रोही गुटों ने देश के कई शहरों और सैन्य ठिकानों पर कब्जा कर लिया। मामले में अलगाववादी लड़ाकों और इस्लामी चरमपंथियों ने मिलकर राजधानी और अन्य शहरों में सेना पर बड़ा हमला बोला। इस हिंसा में कम से कम 16 लोग घायल हुए हैं। माली में अलगाववादी गुट पिछले कई वर्षों से उत्तरी हिस्से में एक स्वतंत्र देश बनाने की मांग कर रहे हैं। इसके साथ ही अल–कायदा और इस्लामिक स्टेट से जुड़े आतंकी संगठन भी पिछले दस वर्षों से सरकार के खिलाफ लड़ रहे हैं। शनिवार को हुआ यह हमला अब तक के सबसे बड़े और सुनियोजित हमलों में से एक है। पाकिस्तान में लश्कर के आतंकी यूसुफ की हत्या पाकिस्तान में लश्कर–ए–ताइबा सरगना हाफिज सईद के एक और करीबी आतंकी शेख यूसुफ अफरीदी की गोली मारकर हत्या कर दी गई है।

'ईरान को डराने-धमकाने की कोशिश काम नहीं करेगी', अराघची के मॉस्को दौरे के बीच रूस का बड़ा बयान

मॉस्को, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची रूस दौरे पर मॉस्को पहुंच गए हैं। ईरान के विदेश मंत्री के दौरे के बीच ही रूस का एक बड़ा बयान सामने आया है। रूस ने कहा है कि ईरान को सैन्य ताकत का डर दिखाकर डराया–धमकाया नहीं जा सकता। वियना में एक अंतरराष्ट्रीय संगठन में रूस के प्रतिनिधि

। मिखाइल उलयानोव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा, सैन्य तैनाती की धमकी और प्रतिबंध कड़े करने की बात ब्लैकमेलिंग है, लेकिन ईरान पर ये चाल काम नहीं करेगी। रूसी राजनयिक ने कहा कि अमेरिका को समझौते के लिए अपने रुख को नरम करना चाहिए। रूस दौरे को लेकर क्या बोले ईरानी विदेश मंत्री

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सोमवार को कहा कि उनका रूस दौरा, युद्ध के बाद समन्वय का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। अराघची ने ये टिप्पणियां सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए पर प्रसारित एक पूर्व–रिकॉर्डेड साक्षात्कार में कीं। उन्होंने कहा, श्यह हमारे लिए एक अच्छा अवसर है कि हम युद्ध से जुड़े घटनाक्रम और वर्तमान स्थिति पर अपने रूसी मित्रों के साथ परामर्श करें।श अराघची ने कहा कि अमेरिका के रवैये के कारण इस्लामाबाद में प्रस्तावित वार्ता में देरी हुई। उन्होंने कहा, श्पिछली वार्ता में प्रगति होने के बावजूद, अपने लक्ष्यों को हासिल नहीं कर सकी और इसके लिए उन्होंने अमेरिका की बहुत ज्यादा मांगों को जिम्मेदार ठहराया। ईरानी नेता बोले– ईरान के पास अहम पत्ते बाकी इस बीच ईरान की संसद के सभापति मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि ईरान के पास भी कई अहम पत्ते हैं। गालिबाफ का यह बयान ऐसे वक्त सामने आया है, जब अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि उनके पास सारे पत्ते हैं, जिनसे वे ईरान पर दबाव बना सकते हैं। अब गालिबाफ ने कहा है कि तेल की सप्लाई और मांग जैसे कई अहम पत्ते हैं, जो ईरान के पास हैं। गौरतलब है कि ईरान और अमेरिका के बीच समझौते के लिए पर्दे के पीछे से बातचीत जारी है। रूस दौरे से पहले ईरानी विदेश मंत्री ने पाकिस्तान और ओमान का दौरा किया।

क्या ट्रंप के हमलावर को अपने किए पर पछतावा है? जानिए अपने कबूलनामे में संदिग्ध ने क्या-क्या खुलासा किया

वॉशिंगटन, एजेंसी। रविवार को वॉशिंगटन में व्हाइट हाउस कॉरेसपोंडेंट डिनर में गोलीबारी करने वाले संदिग्ध को अपने किए पर पछतावा भी था। इसके बावजूद उसने गोलीबारी करने का फैसला किया। संदिग्ध द्वारा अपने एक रिश्तेदार को भेजे गए कबूलनामे में इसका खुलासा हुआ है। संदिग्ध ट्रंप प्रशासन की नीतियों से नाराज था और उसने इसके लिए सरकार की तीखी आलोचना की। हालांकि अपने घोषणा पत्र में आरोपी ने राष्ट्रपति ट्रंप का सीधे तौर पर नाम नहीं लिया। संदिग्ध ने घोषणा पत्र में क्या लिखा?

अपने कबूलनामे के अंत में कोल ने लिखा, श्अगर कोई ये जानना चाहता है कि ऐसा करने पर कैसा लगता है तो ये बहुत बुरा है। मुझे उल्टी जैसा महसूस हो रहा है। मैं उन सभी चीजों के लिए रोना चाहता हूं, जो मैं नहीं कर पाऊंगा। साथ ही उन सभी लोगों के लिए भी, जिनके भरोसे को मैंने तोड़ा। इस सरकार ने जो भी किया है, उसके बारे में सोचकर मुझे बहुत गुस्सा आता है। न्यूयॉर्क पोस्ट द्वारा जारी किए गए घोषणा पत्र में कथित तौर पर हमलावर कोल एलन ने लिखा, श्मैं अब एक बाल यौन शोषण करने वाले, दुष्कर्मी और देशद्रोही को मेरे हाथों को अपने अपराध से और दागदार नहीं करने दूंगा।श हमलावर कोल एलन ने छात्रों से अपील करते हुए ऐसा कोई भी काम नहीं करने की सलाह दी। उसने लिखा, श्मैं बिल्कुल भी इसकी अनुशंसा नहीं कर सकता, बच्चों स्कूल में ही रहो।श हमलावर ने ये भी बताया कि उसके निशाने पर पूरी ट्रंप कैबिनेट थी, लेकिन उसने साफ तौर पर लिखा कि एफबीआई प्रमुख काश पटेल उसके निशाने पर नहीं हैं। संदिग्ध ने अपने कबूलनामे में लिखीं ये बातें

हमलावर ने लिखा कि श्एक गाल पर थप्पड़ पड़ने के बाद आप दूसरा गाल तभी आगे करते हैं, जब आप खुद पीड़ित होते हैं। मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं, जिससे डिटेंशन सेंटर में दुष्कर्म किया गया, या वो मछुआरा नहीं हूं, जिसे बिना मुकदमे के जेल भेज दिया गया। न ही मैं वो स्कूली बच्चा हूं, जिसे निशाना बनाया गया या जो भूखा है। न ही मैं वो किशोर लड़की हूं, जिसे प्रशासन के कई अपराधियों ने प्रताड़ित किया। दूसरे के जुल्म के आगे झुकना ईसाइयों का स्वभाव नहीं है, इससे जुल्म करने वाले के अपराध को बढ़ावा ही मिलेगा। उच्च शिक्षित और अध्यापक रहा है।

उत्तर कोरिया युद्ध स्मारक: जंग में हताहत सैनिकों को श्रद्धांजलि देकर बोले किम जोंग- रूस से गठबंधन मजबूत होगा

एजेंसी/सियोल शहर । उत्तर कोरिया ने रूस–यूक्रेन युद्ध में मारे गए अपने सैनिकों की याद में एक बड़ा स्मारक और सैन्य संग्रहालय खोल दिया है। यह आयोजन प्योंगयांग में किया गया,

जिसमें उत्तर कोरिया के शीर्ष नेता किम जोंग उन ने भी हिस्सा लिया। सरकारी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह स्मारक रूस के कुर्स्क क्षेत्र को यूक्रेन से मुक्त कराने की पहली वर्षगांठ पर खोला गया। रूस के साथ सैन्य सहयोग को बताया रणनीतिक साझेदारी इस मौके पर किम जोंग उन ने कहा कि उत्तर कोरिया और रूस का संबंध अब खून से जुड़ा हुआ है और इसे एक मजबूत रणनीतिक गठबंधन में बदला जाएगा। उन्होंने कहा कि बदलते वैश्विक हालात में दोनों देशों को एक मजबूत और एकजुट शक्ति के रूप में आगे बढ़ना होगा, ताकि किसी भी संकट का सामना किया जा सके। युद्ध में उत्तर कोरिया की भूमिका रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 से उत्तर कोरिया ने रूस को लगभग 15,000 सैनिक और सैन्य हथियार भेजे हैं। यह सैनिक रूस–यूक्रेन युद्ध में सहायता के लिए तैनात किए गए थे। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी का दावा है कि इस युद्ध में अब तक लगभग 6,000 उत्तर कोरियाई सैनिक मारे गए या घायल हुए हैं। रूस–उत्तर कोरिया रिश्ते और मजबूत इस कार्यक्रम में रूस के कई वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए, जिनमें रक्षा मंत्री और संसद अध्यक्ष प्रमुख थे। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने संदेश भेजकर कहा कि यह स्मारक दोनों देशों की दोस्ती का प्रतीक है और आने वाले समय में यह संबंध और मजबूत होंगे। किम जोंग उन और रूसी रक्षा मंत्री के बीच हुई बैठक में सैन्य सहयोग, राजनीतिक साझेदारी और भविष्य की रणनीतियों पर चर्चा हुई। दोनों देशों ने संकेत दिया है कि आने वाले वर्षों में सैन्य सहयोग और भी गहरा हो सकता है।

'लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं', ट्रंप पर हमले पर बराक ओबामा ने जताई चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन में आयोजित प्रतिष्ठित व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान हुई गोलीबारी की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इस घटना पर पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है। ओबामा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने बयान में कहा कि अभी तक हमले के पीछे की मंशा स्पष्ट नहीं है, लेकिन यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम हिंसा को पूरी तरह अस्वीकार करें। उन्होंने इस दौरान अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों, खासकर सीक्रेट सर्विस के साहस और तत्परता की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि यह घटना उन अधिकारियों के बलिदान और कर्तव्यनिष्ठा की याद दिलाती है, जो हर दिन देश की सुरक्षा में जुटे रहते हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।